शर्मा शर्डउवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 106 | गुवाहाटी | बुधवार, 18 नवंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

उत्तराखंड में पांच सड़क दुर्घटनाओं में 17 लोगों की मौत, 38 घायल — पेज 2

धान खरीद का लक्ष्य हासिल करने के लिए मंत्री कौशिक राय ने चावल मिल ... — पेज 3

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 नवंबर को करेंगे नीतीश सेतु का लोकार्पण — पेज 5

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में सात बल्लेबाज और चार तेज गेंदबाजों ... — पेज 7

तारालांगसो में प्लेटिनम जुबली समारोह में डॉ. शर्मा ने लिया भाग, कहा–

दुनिया को जीतने नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा कार्बी आंग्लांग : सीएम



डिफू। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा आज डिफू के तारालांगसो में *कार्बी आंग्लांग दिवस* के ऐतिहासिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। यह आयोजन कार्बी आंग्लांग जिले के गठन की 75वीं वर्षगांठ यानी प्लेटिनम जुबली के उपलक्ष्य में किया गया था। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने इस अवसर के लिए तैयार की गई एक विशेष स्मारिका का भी औपचारिक रूप से विमोचन किया। इस कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण 2,000 पारंपरिक कार्बी पुजारियों द्वारा एक साथ की गई पारंपरिक प्रार्थना थी, जिसने मुख्यमंत्री की उपस्थिति में एक अत्यंत आध्यात्मिक और पवित्र वातावरण बना दिया। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद के अंतर्गत शिक्षकों के रूप में चुने गए 702 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने *कार्बी कल्चरल सोसाइटी* के कार्बी लोक नृत्य कलाकारों को विशेष रूप से सम्मानित भी किया। इन कलाकारों ने हाल ही में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पोर्ट ब्लेयर में आयोजित 16वें अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक प्रदर्शन कला ओलंपियाड में प्रथम वैश्विक पुरस्कार जीतकर राज्य का मान बढ़ाया है। समारोह में बोलते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कार्बी आंग्लांग के लोगों को जिले की 75वीं वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कार्बी आंग्लांग दिवस कार्बी समुदाय की गौरवशाली यात्रा को याद करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने सभी से अपील की कि वे कार्बी समुदाय की विशिष्ट पहचान, भाषा, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा करते हुए एक शांतिपूर्ण और समृद्ध जिले के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध रहें। साथ ही, उन्होंने कार्बी आंग्लांग के महान दूरदर्शी लोगों और प्रतिष्ठित हस्तियों को अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने जिले के लंबे राजनीतिक इतिहास का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि बीसवीं सदी के तीसरे और चौथे दशक के दौरान, खोरसिंग तेरंग, सैमसनसिंग एंगती, सारसिंग तेरोन, सोंग बे और निहार रोंगफार जैसी हस्तियों ने कार्बी समाज में राजनीतिक और सामाजिक चेतना जगाई। ब्रिटिश सरकार के साइमन कमीशन की सिफारिशों के आधार पर कि गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 के तहत मिकिर हिल्स को आंशिक रूप से बहिष्कृत क्षेत्र (पार्शियली एक्सक्लूडेड एरिया) के रूप में वर्गीकृत किया गया। इसके बाद, खोरसिंग तेरंग ने 1937 का असम प्रांतीय विधानसभा चुनाव जीता और मिकिर हिल्स से पहले विधायक बनने का गौरव हासिल किया। मुख्यमंत्री ने आगे याद दिलाया कि दिसंबर 1937 में असम के तत्कालीन गवर्नर सर रॉबर्ट नील रीड की यात्रा के दौरान, सैमसन सिंग इंगती, सोंग बे और खोरसिंग टेरांग ने एक अलग जिला बनाने की पहली मांग रखी थी। इस मांग को मजबूत करने के लिए, 1945 में नागांव के कथलगुरी में *कार्बी अडोरबार* की स्थापना की गई, जिसके अध्यक्ष सरसिंग टेरोन और महासचिव सैमसन सिंग इंगती बने। उन्होंने बताया कि अंततः, कार्बी अडोरबार के लंबे संघर्ष और गोपीनाथ बोरदोलोई के प्रयासों के बाद, 17 नवंबर 1951 को *यूनाइटेड मिकिर एंड नॉर्थ कछार हिल्स डिस्ट्रिक्ट* का औपचारिक रूप से गठन किया गया। जिले में मौजूद शांतिपूर्ण माहौल का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब मैं देश भर के विभिन्न राज्यों के सामने मौजूद चुनौतियों को देखता हूं, तो पाता हूं कि कार्बी हिल्स में शांति का एक नया दौर शुरू हुआ है। अब यहां हथियारों की आवाज सुनाई नहीं देती; न तो यहां राइफलें हैं, न ग्रेनेड हैं और न ही गोलियों की आवाज। आज, हम अपनी संस्कृति, शिक्षा और खेलों के माध्यम से दुनिया को जीतने के नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि कार्बी आंग्लांग को खुद की तुलना अन्य क्षेत्रों से करने की कोई –शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

वो व्यक्ति जो दूसरों के गुप्त दोषों के बारे में बातें करते हैं, वे अपने आप को बांबी में आवारा घूमने वाले सांपों की तरह बर्बाद कर लेते हैं।

– आचार्य चाणक्य

राहुल के बयान पर भड़के सीएम डॉ. शर्मा, कहा–

माफ कीजिए मैम, अब ये प्रोडक्ट नहीं होगा री-लॉन्च



गुवाहाटी। भाजपा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ओर से बचपन से जुड़ी एक टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधा है। सोनिया गांधी के संस्मरण के विमोचन कार्यक्रम में राहुल ने अपने माता-पिता के रिश्ते को लेकर बचपन की एक बात साझा की थी। इस पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने तंज कसते हुए कांग्रेस नेता की आलोचना की। एक्स पर साझा किए गए राहुल के बयानों वाले एक वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए, शर्मा ने सोनिया गांधी को संबोधित करते हुए कहा कि माफ कीजिए, मैम, वह आपके जीवन के इतने खास दिन पर भी आपको शर्मिंदगी से नहीं बचा पाए। देश को तो यह बात बहुत पहले ही समझ आ गई थी। उम्मीद है कि अब आप भी इसे समझ जाएंगी; यह *प्रोडक्ट* अब लॉन्च या री-लॉन्च किए जाने के लायक –शेष पृष्ठ दो पर

गलती से बांग्लादेश की सीमा में घुसा बीएसएफ जवान बीजीबी ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के एक जवान को बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने मंगलवार को हिरासत में ले लिया, जो गलती से बांग्लादेश की सीमा में दाखिल हो गया था। समाचार एजेंसी पीटीआई ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि, बीजीबी के जवानों ने सिलहट जिले में बीएसएफ जवान को पकड़ा है। उन्होंने बताया कि जवान की सुरक्षित वापसी के लिए फ्लैग मीटिंग की जा रही है।

मिसिंग और सोनोवाल कछारी स्वायत्त परिषद चुनाव

35 उम्मीदवारों ने वापस लिए नामांकन, 291 प्रत्याशी मैदान में



गुवाहाटी (हि.स.)। असम में मिसिंग स्वायत्त परिषद और सोनोवाल कछारी स्वायत्त परिषद के आगामी आम चुनावों में अब कुल 291 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमाएंगे। नामांकन वापस लेने की निर्धारित अवधि के दौरान दोनों परिषदों से कुल 35 उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। इन दोनों स्वायत्त परिषदों के चुनाव 30 नवंबर को होंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, सोनोवाल कछारी स्वायत्त परिषद चुनाव में 11 उम्मीदवारों ने नामांकन वापस लिया है। इसके बाद अब कुल 119 उम्मीदवार चुनावी मैदान में रह गए हैं। जिलेवार आंकड़ों के अनुसार, डिब्रूगढ़ से 50, तिनसुकिया से 23, धेमाजी से 13, जोरहाट से 12, लखीमपुर से 10, गोलाघाट से सात और शिवसागर से चार उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। –शेष पृष्ठ दो पर

कोलकाता के ब्रिगेड मैदान में 29 दिसंबर को 10 लाख लोग करेंगे गीता पाठ



कोलकाता (हि.स.)। महानगर के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आगामी 29 दिसंबर को एक भव्य और ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन होने जा रहा है, जहां 10 लाख लोग एक साथ श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ करेंगे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नेताजी इंडोर स्टेडियम में जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज की पहल पर आयोजित सामूहिक *हनुमान चालीसा* पाठ के मंच से इस वृहद कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले साल दिसंबर में हिंदुत्ववादी संगठनों की पहल पर ब्रिगेड मैदान में एक लाख लोगों ने गीता पाठ किया था। लेकिन इस बार, यह आयोजन सीधे उनके (मुख्यमंत्री के) नेतृत्व और प्रबंधन –शेष पृष्ठ दो पर

जंगली हाथी को भगाने के दौरान वनकर्मियों ने की फायरिंग, पांच ग्रामीणों को लगी गोली



होजाई। असम के होजाई जिले में सोमवार रात एक भटके हुए जंगली हाथी को जंगल की ओर वन विभाग के कर्मचारी लेकर जा रहे थे, इस दौरान जब वन विभाग के कर्मचारियों ने गोलीबारी की तो यह गोली पांच ग्रामीणों को लग गई और वे घायल हो गए। इस घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया। नाराज ग्रामीणों ने वन विभाग के कर्मचारियों का सामना किया, इस दौरान हुई झड़प में विभाग का एक जवान भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया है, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, यह घटना होजाई जिले के दिघलबारी जोगीमुख में हुई। जहां एक हाथी हाथी सोमवार दिन से ही गरकत्तानी रोड के आसपास घूम रहा था। अपने सामान्य रास्ते से लगभग 10 किमी भटकने के बाद, वह गांवों में घुसने की कोशिश कर रहा था, जिसके चलते वन विभाग के कर्मचारियों ने उसे वापस जंगल की ओर भेजने का प्रयास किया। इस ऑपरेशन को देखने के लिए मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। हालांकि, रात के समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब अंधेरे के बीच हाथी ने –शेष पृष्ठ दो पर

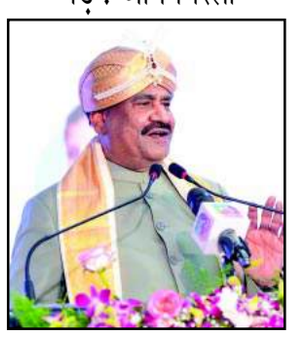
पॉक्सो मामले में अदालत का बड़ा फैसला

कोकराझाड़ में दो दोषियों को प्राकृतिक मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा



कोकराझाड़ (हि.स.)। नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म के दो अलग-अलग मामलों में कोकराझाड़ की विशेष अदालत ने मंगलवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए दोनों दोषियों को प्राकृतिक मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश नूरजमाल हक की अदालत ने खगेन मुसाहारी (45) और ऐनाल शेख (61) को दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई। पहला मामला गोसाईगांव थाना क्षेत्र का है। आरोप के मुताबिक, खगेन मुसाहारी ने खेल रही पांच वर्षीय बच्ची –शेष पृष्ठ दो पर

महिलाओं की प्रभावी भागीदारी से मजबूत होंगी लोकतंत्र की जड़ें : ओम बिरला



बेंगलुरु (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि जब महिलाओं को पंचायत से संसद तक समान अवसर, सुरक्षित वातावरण और निर्णय प्रक्रिया में प्रभावी भागीदारी मिलेगी, तभी लोकतंत्र की जड़ें और अधिक मजबूत होंगी। महिला नेतृत्व की शक्ति, संवेदनशीलता और जवाबदेही से भारत का लोकतंत्र अधिक समावेशी, पारदर्शी और सशक्त बनेगा। ओम बिरला ने मंगलवार को बेंगलुरु स्थित विधान सौध में आयोजित प्रथम राष्ट्रमंडल महिला सांसद सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रमंडल देशों की महिला सांसदों के साथ विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आए विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों के समक्ष महिला –शेष पृष्ठ दो पर

आज दुनिया को शांति और स्थिरता की सबसे ज्यादा जरूरत : पीएम मोदी



मनीला। 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, हमारी *एक्ट ईस्ट पॉलिसी* ने भारत-आसियान संबंधों को नई गति और गहराई दी है। हमारी साझेदारी अब साझा संस्कृति और विरासत से आगे बढ़कर डिजिटल, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में नए आयामों तक पहुंच गई है। 2014 से, हमने लोगों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने के लिए 100 से अधिक पहल की हैं, लगभग 250 क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट्स शुरू किए हैं, और कौशल विकास के लिए 10,000 से अधिक छात्रवृत्तियां प्रदान की हैं। आज, भारत और नौ आसियान देशों के बीच सीधी उड़ानें और बढ़ता पर्यटन हमारे करीबी संबंधों का एक और प्रमाण हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि पिछले कुछ सालों में, दुनिया ने लगातार कई संकटों का सामना किया है। आज दुनिया को सबसे ज्यादा शांति, स्थिरता और पूर्वानुमान योग्य माहौल की जरूरत है। इस संदर्भ में, इस वर्ष की थीम कि नेविगेटिंग आवर फ्यूचर टुगेदर (एक साथ मिलकर अपने भविष्य की दिशा तय करना) का विशेष महत्व है। प्रधानमंत्री बोले कि हमारा मानना है कि भारत का विकास और –शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में बड़ी बगावत की आहट

300 अधिकारियों की निगरानी पुलिस भी संदेह के घेरे में



ढाका। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी के एलान के बीच बांग्लादेश में आंतरिक टकराव की आशंका बढ़ गई है। बगावत के खतरे को देखते हुए तारिक रहमान की सरकार ने 300 वरिष्ठ अधिकारियों को सर्विलांस पर रखा है। वहीं, पुलिस अधिकारियों की निगरानी भी बढ़ा दी गई है। सरकार ने सभी खुफिया एजेंसियों को अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। बांग्लादेश की स्थानीय मीडिया के मुताबिक सरकार ने उन अधिकारियों को सर्विलांस पर रखा है, जो शेख हसीना सरकार के दौरान पावरफुल थे। तारिक रहमान सरकार का मानना है कि ये अधिकारी शेख हसीना के समर्थकों के साथ मिलकर कोई बड़ा खेल कर सकते हैं। शेख हसीना दिसंबर 2026 में करीब ढाई साल बाद दिल्ली से वापस ढाका लौट रही हैं। इस दौरान आवामी लीग की कोशिश बांग्लादेश में शक्ति प्रदर्शन करने की है। पार्टी ने लाखों कार्यकर्ताओं को बांग्लादेश में सड़कों पर निकलने के लिए कहा है। –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

उत्तराखंड में पांच सड़क दुर्घटनाओं में 17 लोगों की मौत, 38 घायल

मुख्यमंत्री ने एम्स पहुंचकर घायलों का जाना हाल

देहरादून/टिहरी/रुद्रप्रयाग (हि.स.)। उत्तराखंड में सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक हुए पांच अलग-अलग सड़क हादसों में कुल 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 लोग घायल हो गए। सबसे भीषण हादसा टिहरी गढ़वाल जिले में ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गूलर पुल के पास हुआ, जहां यात्रियों से भरी बस करीब 120 फीट गहरी खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में बस चालक समेत नौ लोगों की जान चली गई और 25 यात्री घायल हो गए। इसके आलावा रुद्रप्रयाग के ऊखीमठ में एक बोलेरो वाहन के खाई में गिरने से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि टिहरी जिले में तीन अन्य सड़क दुर्घटनाओं में चार लोगों की जान चली गई। हादसों की सूचना मिलते ही पुलिस और आपदा राहत दलों ने विभिन्न स्थानों पर बचाव अभियान चलाया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को एम्स ऋषिकेश पहुंचकर गूलर बस हादसे में घायल यात्रियों का हालचाल जाना और उनके उपचार की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार दुर्घटना से प्रभावित लोगों और उनके परिजनों के साथ खड़ी है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को एक-एक लाख रुपए और सामान्य रूप से घायलों को 40 हजार रुपए तक की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। साथ ही प्रधानमंत्री राहत योजना के अंतर्गत सहायता राशि शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। गूलर पुल के पास बस हादसा पुलिस के अनुसार, विश्वनाथ सेवा की बस मंगलवार तड़के करीब 3:15 बजे हरिद्वार से जोशीमठ के लिए रवाना हुई थी। बस में चालक समेत 34 लोग सवार थे। सुबह करीब 4:50 बजे गूलर पुल के पास बस अनियंत्रित होकर सड़क से लगभग 120 फीट नीचे गूलर गाड़ में जा गिरी। सूचना मिलते ही मुनिकीरेती और नरेंद्रनगर पुलिस, अग्निशमन विभाग, आपदा राहत दल और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं। शिवपुरी स्थित भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों ने भी बचाव अभियान में सहयोग किया। सभी घायलों को करीब एक घंटे के भीतर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। प्रशासन ने यात्रियों के सामान को सुरक्षित रखने के लिए गूलर पुलिस चौकी में रखवाया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। गूलर बस हादसे में 25 घायलों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। गूलर बस दुर्घटना में मृतकों की पहचान विक्की (37), राज राय (56), बस चालक राजेंद्र सिंह (48), परिचालक अनुज भंडारी (27), पुन्नू (55), सुशील प्रताप सिलोडी (55), दीपक गुप्ता (55), विकास गुप्ता और रोहित कश्यप (35) के रूप में हुई है। इनमें उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश के निवासी शामिल हैं। घायलों में 1. मो. वहाब अंसारी, पुत्र उस्मान अंसारी, उम्र 22 वर्ष, निवासी छैलापाता, जिला दुमका, झारखंड, 2. प्रत्यूश, पुत्र सुभाष, उम्र 23 वर्ष, निवासी बुढ़ाकेशी, खटीमा, ऊधमसिंह नगर, 3. अभिषेक, पुत्र राजेन्द्र सिंह, उम्र 28 वर्ष, निवासी मोहम्मद नथा, जसपुर, ऊधमसिंह नगर, 4. संतोष कुमार, पुत्र नरेश प्रसाद, उम्र 38 वर्ष, निवासी जहानाबाद, थाना घोषी, बिहार, 5. राहुल कुमार, पुत्र उपेंद्र कुमार, उम्र 24 वर्ष, निवासी ट्रकुल अपार्टमेंट, पटना, बिहार, 6. बुधन मुर्मू, पुत्र देवान मुर्मू, उम्र 50 वर्ष, निवासी ढोडिया, जिला दुमका, झारखंड, 7. राजकुमार, पुत्र काली चरण, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम ऊपर मजियारा, जिला दुमका, झारखंड, 8. नूरजहां, पत्नी विशाल, उम्र 26 वर्ष, निवासी गुवाहाटी, असम, 9. आयरा, पुत्री नूरजहां, उम्र 3 वर्ष, 10. पंकज नेगी, पुत्र पूरण नेगी, उम्र 31 वर्ष, निवासी धौलतीर, रुद्रप्रयाग, 11. जतिन, पुत्र जीतपाल, उम्र 21 वर्ष, निवासी डीडीए क्वार्टर, जिला शाहदरा, दिल्ली, 12. वीरेंद्र सिंह, पुत्र मुरली सिंह, उम्र 58 वर्ष, निवासी हैरन, कर्णप्रयाग, 13. खुशी भट्ट, पुत्री दीपक भट्ट, उम्र 19 वर्ष, निवासी मजीर कांडा, पिथौरागढ़, 14. सागर सिंह, पुत्र अनिल दुबे, उम्र 21 वर्ष, निवासी प्रतापगढ़, बाबागंज, उत्तर प्रदेश, 15. मुन्ना सिंह, पुत्र शंकर सिंह, उम्र 28 वर्ष, निवासी ऊपर मजियारा, थाना दुमका, झारखंड, 16. अर्जुन सौरन, पुत्र प्रधान सौरन, उम्र 34 वर्ष, निवासी ग्राम सीलीबुना, थाना रानीचौल, जिला दुमका, झारखंड, 17. परेश मराठी, पुत्र बुधन मराठी, निवासी ग्राम करड़ी, बुठकुंडा, जिला दुमका, झारखंड, 18. आर्यन गुप्ता, पुत्र दीपक गुप्ता, निवासी सेडॉल, सुहागपुर, मध्य प्रदेश, 19. रमेश चंद, पुत्र जत्रा मोहन, निवासी कोलकाता, 20. रामा प्रसाद घोष, पुत्र बटु, उम्र 62 वर्ष, निवासी कोलकाता।

वकील ने सीजेआई पर उठाए सवाल, कहा-

आप इस कुर्सी पर बैठने लायक नहीं



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में 2 नवंबर को दायर एक याचिका को लिस्ट (सूचीबद्ध) न किए जाने की प्रक्रियात्मक चूक पर एक वकील ने बहुत तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बिना पूर्व सूचना के मामले का जिक्र करते हुए हंगामा खड़ा कर दिया और सीजेआई के पद पर बने रहने के लिए जस्टिस सूर्यकांत की योग्यता पर ही सवाल उठा दिए। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, जब बेंच मोटर दुर्घटना दावों से जुड़े कुछ मामलों की सुनवाई कर रही थी तब एक वकील ने कहा कि 2 नवंबर को दायर की गई याचिका अभी तक लिस्ट नहीं हुई है, जबकि सीजेआई के कार्यालय को इस बारे में सूचित कर दिया गया था। कोर्ट ने बिना पूर्व सूचना के इस तरह मामला उठाने पर आपत्ति जताई और वकील से कहा कि वे अपनी याचिका को जल्द लिस्ट कराने के अनुरोध के लिए रजिस्ट्रार को सूचित करें। लेकिन वकील ने कहा कि वे पहले ही माफी मांग चुके हैं और अब वे यह जानना चाहते हैं कि याचिका को लिस्ट क्यों नहीं किया गया। जब सीजेआई ने कहा कि वे इस मामले को देखेंगे तो वकील भड़क गए और बोले कि नहीं, मैं इंतजार नहीं करूंगा। आप उस कुर्सी पर नहीं बैठ सकते। आप इसके लायक नहीं हैं। आपमें इसके लिए जरूरी ईमानदारी नहीं है। रजिस्ट्री के एक अधिकारी ने बताया कि याचिकाओं को लिस्ट करने का काम कोर्ट का सॉफ्टवेयर करता है और इसमें सीजेआई की कोई खास भूमिका नहीं होती। उन्होंने कहा कि 6 नवंबर से पहले कई याचिकाएं दायर की गई थीं, जिसके बाद दिवाली की छुट्टियों के कारण कोर्ट एक हफ्ते तक बंद रहा। बार के कुछ सदस्यों ने वकील के इस बर्ताव पर कड़ी आपत्ति जताई और सीजेआई से मिलकर उनसे अनुरोध किया कि वे उस वकील के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू करें।

यूट्यूबर निकला तनिष्क शोरूम में लूट का मास्टरमाइंड, 11.9 किलो सोना बरामद

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै में तनिष्क शोरूम में हुई करोड़ों रुपए की लूट के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गिरफ्तार मुख्य आरोपी निशांत के पास से 6.4 किलो सोने के आभूषण बरामद किए गए हैं। इससे पहले उसकी महिला सहयोगी के पास से 5.5 किलो सोना मिला था। अब तक कुल 11.9 किलो सोना बरामद किया जा चुका है। वहीं मुख्य आरोपी यूट्यूबर निशांत को अदालत ने एक दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने सोमवार को उसे धर्मपुरी जिले के सीसमपट्टी इलाके से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उसे मदुरै लाया गया, जहां पुलिस ने उससे पूछताछ की। आरोपी निशांत की निशानदेही पर चोरी किए गए सोने के आभूषणों की बड़ी खेप बरामद हुई है। पुलिस के मुताबिक, निशांत से पूछताछ के दौरान उसने चोरी के आभूषण छिपाकर रखने की बात कबूल की। इसके बाद पुलिस टीम ने मुनियांडीपुरम के गोपालिपुरम पहाड़ी इलाके में तलाशी अभियान चलाया। यहां से 6.14 किलोग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए। इससे पहले इस मामले में गिरफ्तार उसकी सहयोगी और सह-आरोपी मीनाक्षी के पास से 5.5 किलोग्राम सोना बरामद किया गया था। इस तरह पुलिस अब तक कुल 11.9 किलोग्राम सोना बरामद कर चुकी है। यह वारदात 12 नवंबर की तड़के मदुरै बाईपास रोड स्थित तनिष्क शोरूम में हुई थी। बदमाशों ने शोरूम को निशाना बनाकर करोड़ों रुपए के सोने के आभूषण लूट लिए थे। घटना के बाद से ही पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। जांच के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी निशांत को धर्मपुरी जिले से गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ के बाद निशांत का सरकारी राजाजी अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया। इसके बाद नियंत्रण कक्ष इकाई में उसके बायोमेट्रिक विवरण दर्ज किए गए। 16 नवंबर को उसे मदुरै जिला की 5वीं न्यायिक मजिस्ट्रेट लक्ष्मी प्रिया की अदालत में पेश किया गया।

नितिन गडकरी ने सूक्ष्म उद्यमियों को जेआरडी टाटा पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित जेआरडी टाटा पुरस्कार 2026 समारोह में रोजगार सृजन और उद्यमिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले सूक्ष्म उद्यमियों को सम्मानित किया। इस वर्ष 14 उद्यमियों को पुरस्कार के लिए चुना गया था, इनमें पांच महिलाएं थीं। समारोह में उद्यमिता के क्षेत्र में काम करने वाले चार उद्यमियों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट (बीवाईएसटी) की ओर से आयोजित इस समारोह में आंध्र प्रदेश से राज्यसभा सदस्य विजय चिंताकायाला और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष प्रो. एस. महेंद्र देव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। बीवाईएसटी के अनुसार, जेआरडी टाटा पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1995 में ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष भारत रत्न जेआरडी टाटा के सम्मान में की गई थी। इसका उद्देश्य ऐसे पहली पीढ़ी के उद्यमियों को पहचान देना है, जिन्होंने कारोबार खड़ा करने के साथ रोजगार के अवसर पैदा किए और स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान दिया। समारोह का विषय *ग्राम उद्यमियों का सम्मान, भारत का विकास* रखा गया था। पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिए गए। इनमें वर्ष का सर्वश्रेष्ठ उद्यमी, वर्ष की महिला उद्यमी और सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाला उद्यमी शामिल हैं। गडकरी ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि के साथ ग्रामीण, आदिवासी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी पैदा होने चाहिए। प्रौद्योगिकी, नवाचार और वित्तीय सहायता के माध्यम से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को मजबूत करने से उत्पादन बढ़ाने, कचरे को उपयोगी संसाधन में बदलने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में मदद मिल सकती है। इससे क्षेत्रीय आय की असमानता कम करने में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि अनुभवी मार्गदर्शकों के सहयोग से तैयार हुए ये उद्यम आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान दे सकते हैं। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष प्रो. एस. महेंद्र देव ने कहा कि सूक्ष्म और लघु उद्यम समावेशी आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पहली पीढ़ी के उद्यमियों को वित्त, प्रौद्योगिकी, बाजार और मार्गदर्शन की सुविधा मिलने से वे अपने कारोबार का विस्तार कर सकते हैं और स्थायी आजीविका के अवसर पैदा कर सकते हैं। बीवाईएसटी की संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी लक्ष्मी वेंकटरमण वेंकटेशन ने कहा कि छोटे उद्यमी सीमित पूंजी से कारोबार खड़ा कर रहे हैं और अपने समुदायों में रोजगार पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल ऋण उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है। उद्यमों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर मार्गदर्शन, बाजार तक पहुंच, क्षमता निर्माण और संस्थागत सहयोग भी जरूरी है। वर्ष 2026 का सर्वश्रेष्ठ उद्यमी पुरस्कार चेन्नई के रेडहिल्स स्थित हाफा फूड्स एंड फ्रोजन फूड्स के जे. हाजा फुन्यामिन को दिया गया। उन्होंने सड़क किनारे समोसे बेचने से शुरुआत कर 15.58 करोड़ रुपए का फ्रोजन फूड कारोबार खड़ा किया। उनकी कंपनी संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर और श्रीलंका को उत्पादों का निर्यात करती है। इससे 100 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और 450 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है।

हसीना की वापसी से पहले बांग्लादेश में दहशत, ढाका एयरपोर्ट के पास दो धमाकों से मची अफरा-तफरी



ढाका। बांग्लादेश में संभावित राजनीतिक हिंसा की आशंका के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ाए जाने के बीच ढाका अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास दो बम विस्फोट हुए जिसमें तीन राहगीर घायल हो गए। एक अखबार की खबर के अनुसार, यह घटना सोमवार रात हुई। अखबार ने पुलिस के हवाले से बताया कि एक बम हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहरी द्वार के पास फटा, जबकि दूसरा हवाई अड्डे और फ्लाईओवर को जोड़ने वाले मार्गों के पास जसीमुद्दीन इलाके में फटा। ये विस्फोट अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अगले महीने प्रस्तावित वापसी को लेकर बांग्लादेश में एक बार फिर बढ़े तनाव के बीच हुए हैं। हसीना अगस्त 2024 में छात्र-नेतृत्व वाले आंदोलन के बाद अपनी सरकार गिरने पर देश छोड़कर चली गईं और भारत में रह रही हैं। हालांकि, यह पता नहीं चल पाया है कि इन विस्फोटों का हसीना से कोई संबंध है या नहीं। हवाई अड्डा पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी कमरुल इस्लाम तालुकदार के अनुसार, उपद्रवियों ने दोनों बम विस्फोट किए, जिससे तीन राहगीरों को मामूली चोटें आईं। उन्होंने बताया कि बम एक फ्लाईओवर से फेंके गए थे और इसके बाद से सुरक्षा के उपाय कड़े कर दिए गए हैं। हसीना की संभावित वापसी को लेकर पिछले कई दिनों से बांग्लादेश में हिंसा की घटनाएं हुई हैं, जिनमें ट्रेन, बसों और बैंकों को निशाना बनाकर की गई आगजनी भी शामिल है। पुलिस ने इन घटनाओं में से कई के लिए अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों को जिम्मेदार ठहराया है। हसीना को सत्ता से हटाए जाने के बाद अवामी लीग के राजनीतिक गतिविधियों और चुनावों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। एक बांग्ला दैनिक समाचार ने मंगलवार को खबर दी कि संभावित तोड़फोड़ की घटनाओं को रोकने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने ढाका, गोपालगंज और अवामी लीग के गढ़ माने जाने वाले अन्य जिलों के लिए विशेष सुरक्षा योजनाएं तैयार की हैं। अखबार ने बताया कि दिसंबर भर इन इलाकों में अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी, जबकि पूरे देश में खुफिया निगरानी भी बढ़ा दी गई है। पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) मोहम्मद अली हुसैन फकीर ने सभी 64 जिलों के पुलिस अधीक्षकों, आठ महानगरीय क्षेत्रों के पुलिस आयुक्तों और आठ रेंज के उपमहानिरीक्षकों को विशेष निर्देश जारी किए हैं। इसमें उन्हें तोड़फोड़ की गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक मोहम्मद एहसान हबीब पलाश ने कहा कि पुलिस तोड़फोड़ की किसी भी कोशिश से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। हसीना के गृह जिले और अवामी लीग के गढ़ माने जाने वाले गोपालगंज में पिछले कुछ दिनों में हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं हुई हैं।

पृष्ठ एक का शेष

दुनिया को जीतने नए...

आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह जिला शिक्षा, संस्कृति और संस्थागत विकास के क्षेत्रों में कई अन्य इलाकों से काफी आगे निकल चुका है। उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि कार्बी आंग्लांग अपने इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को संजोकर रखेगा और दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। उन्होंने कहा कि असम सरकार कार्बी आंग्लांग के लोगों की सभी चिंताओं और मांगों को पूरा करने के लिए उनके साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने जिले को प्रगति के पथ पर आगे ले जाने के लिए लोगों के साथ मिलकर काम करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया। इस अवसर पर असम विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. हेबे टेरोन, कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद के मुख्य कार्यकारी सदस्य तुलिराम रोंगहांग, परिषद के अध्यक्ष राजू तिसो, उपाध्यक्ष अभिजीत क्रो, सांसद अमरसिंह तिसो, विधायक सूर्य रोंगफार और लुनसिंह टेरोन के साथ-साथ कई अन्य गणमान्य व्यक्ति, कार्बी साहित्य सभा और कार्बी सांस्कृतिक सोसाइटी के प्रतिनिधि, तथा स्वायत्त परिषद के कार्यकारी सदस्य और अन्य सदस्य उपस्थित थे। कार्बी आंग्लांग दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, डिफू के कासा (ञ्रङ्क) स्टेडियम में मुख्यमंत्री की उपस्थिति में एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद क्षेत्र में रहने वाले 17 अलग-अलग समुदायों के 15,000 युवाओं (पुरुषों और महिलाओं) ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा पहनकर, एक साथ मिलकर पारंपरिक लोक नृत्य *निम्सो केरुंग* प्रस्तुत किया। इस नृत्य को *गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स* में शामिल करने की पहल को एक ऐतिहासिक और सराहनीय प्रयास बताते हुए, मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि भविष्य में गुवाहाटी में भी निम्सो केरुंग का ऐसा ही एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने इस प्रस्तुति में भाग लेने वाले प्रत्येक कलाकार को 25,000 रुपए की आर्थिक प्रोत्साहन राशि देने की भी घोषणा की।

माफ कीजिए, मैम, अब ...

ही नहीं बचा है। यह विवाद सोनिया गांधी के संस्मरण के औपचारिक विमोचन के दौरान राहुल गांधी के दिए गए भाषण से शुरू हुआ। हार्पर कॉलिन्स इंडिया की ओर से प्रकाशित इस किताब के विमोचन कार्यक्रम में, राहुल ने अपने माता-पिता के बीच घर पर मौजूद आपसी प्रेम के बारे में बात की। उन्होंने परिवार के साथ भोजन के पलों को याद करते हुए कहा कि लंच और डिनर के समय उनकी मां अक्सर उनके पिता राजीव गांधी के साथ बैठी रहती थीं। भले ही उस समय घर का स्टाफ भी वहां मौजूद हो। उन्होंने यह भी बताया कि शुरू में उन्हें लगता था कि यह बिल्कुल सामान्य व्यवहार है, क्योंकि उन्होंने अपने माता-पिता को आपस में इसी तरह रहते हुए देखा। हालांकि, जब वे अपने दोस्तों के घर गए, तो उन्हें एहसास हुआ कि उनके परिवारों का माहौल अलग था। इसके साथ ही राहुल गांधी ने कार्यक्रम में बताया कि उनके माता-पिता के बारे में कई तरह की कहानियां प्रचलित थीं। इनमें से एक कहानी उनके वर्सिटी रेस्तरां में मिलने की थी। उन्होंने कहा कि कई साल बाद एक बार मैं कैम्ब्रिज गया। मैंने अपनी गर्लफ्रेंड से कहा कि चलो वर्सिटी रेस्तरां चलते हैं। मैं देखना चाहता था कि मेरे माता-पिता की मुलाकात आखिर कहां हुई थी। मैं रेस्तरां में जाकर बैठ गया। वहां मेरे पास मेन्यू लाया गया। मैंने वहां मौजूद व्यक्ति से कहा कि मेरे माता-पिता इसी रेस्तरां में मिले थे। यह सुनकर उसने मेरी तरफ देखा और कहा कि अच्छा, वे दोनों! मैं उन्हें जानता हूं। मैंने हैरानी से पूछा कि आप उनके बारे में क्या जानते हैं? उसने कहा कि अरे, वे दोनों। मैं बिल्कुल जानता हूं कि आप किनकी बात कर रहे हैं। जब गर्लफ्रेंड के बारे में पूछा गया, तो राहुल गांधी ने कहा कि वह अब एक दोस्त है।

35 उम्मीदवारों ने वापस...

वहीं, मिसिंग स्वायत्त परिषद चुनाव में 24 उम्मीदवारों ने अपनी उम्मीदवारी वापस ली है। इसके बाद अब कुल 172 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें धेमाजी से सर्वाधिक 57, लखीमपुर से 38, माजुली से 22, गोलाघाट से 20, जोरहाट से आठ, बिश्वनाथ और शिवसागर से छह-छह, तिनसुकिया से छह, डिब्रूगढ़ से पांच तथा शोणितपुर से चार उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। दोनों स्वायत्त परिषदों के लिए 30 नवंबर को मतदान कराया जाएगा। नामांकन वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही चुनावी मुकाबले की तस्वीर स्पष्ट हो गई है।

कोलकाता के ब्रिगेड मैदान ...

में होगा, जिसमें 10 लाख कंठों से गीता का पाठ किया जाएगा। संघ प्रमुख मोहन भागवत और बाबा रामदेव होंगे शामिलकार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने एलान किया कि 29 दिसंबर की सुबह ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होने वाले इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत और योग गुरु बाबा रामदेव विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज से भी गीता पाठ समारोह में शामिल होने का विशेष आग्रह किया। पूर्ववर्ती सरकारों पर मुख्यमंत्री का तीखा प्रहारनेताजी इंडोर स्टेडियम के मंच से मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य की पूर्ववर्ती वाममोर्चा और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकारों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में वाममोर्चा के 34 वर्षों के शासनकाल में लोगों को धार्मिक स्वतंत्रता नहीं दी गई। इसके बाद के 15 वर्षों के शासनकाल (टीएमसी) का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उस दौरान भी सनातन धर्म और धार्मिक रीति-रिवाजों पर बार-बार हमले किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 22 जनवरी 2024 को जब अयोध्या में राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हो रही थी, तब कोलकाता के पार्क सर्कस में इसके विरोध में रैली निकाली गई थी। साथ ही, विधानसभा के अंदर महाकुंभ जैसे पवित्र आयोजन को *मृत्यु कुंभ* कहकर उसका मजाक उड़ाया गया था। राजनीतिक हलकों में इस गीता पाठ के समय को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 29 दिसंबर का समय राज्य में सर्दियों की छुट्टियों का होता है। 25 दिसंबर को क्रिसमस के अवसर पर कोलकाता के पार्क स्ट्रीट सहित विभिन्न चर्चों में सप्ताह भर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। ठीक इसी त्योहारी माहौल के बीच, मुख्यमंत्री की सीधी देखरेख में शहर के मध्य में इतने विशाल गीता पाठ का आयोजन राजनीतिक और सामाजिक रूप से बड़े संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। बंगाल में आश्रम और गौशाला खोलने का आग्रहराज्य में धार्मिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे के विस्तार के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी महाराज से एक विशेष अपील भी की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद से उनकी महाराज जी के साथ कई बार मुलाकात हुई है। इसी कड़ी में उन्होंने महाराज से पश्चिम बंगाल में *रामानंद मिशन* का एक आश्रम और एक विशाल गौशाला स्थापित करने का अनुरोध किया। उन्होंने आह्वान किया कि देश के अन्य हिस्सों की तरह बंगाल में भी मिशन के सेवा कार्यों का विस्तार किया जाए।

जंगली हाथी को भगाने ...

वापस मुड़ने की कोशिश की। वन विभाग के कर्मचारियों ने शुरुआत में हाथी को जंगल की ओर भगाने के लिए पटाखे फोड़े। बताया जा रहा है कि बाद में ऑपरेशन के दौरान उन्होंने गोली भी चलाई। पुलिस के अनुसार, गोलियां अपने निशाने पर नहीं लगीं और मौके पर मौजूद पांच स्थानीय लोगों को जा लगीं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घायल स्थानीय लोगों की पहचान राजीव सिन्हा (40), सैदुल इस्लाम (19), राजुल हुसैन (20), राजिकुल इस्लाम (23) और कबीर उद्दीन (20) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वन विभाग के कर्मचारियों ने बिना कोई चेतावनी दिए ही गोली चला दी। आक्रोशित ग्रामीणों ने वन विभाग के कर्मचारियों का सामना किया और उन्हें खदेड़ दिया। इस झड़प के दौरान वन विभाग के जवान अनवर हुसैन (39) गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी छह घायलों को इलाज के लिए होजाई के एचएएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, असम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

कोकराझाड़ में दो दोषियों को ...

को बहला-फुसलाकर अपने घर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। बाद में बच्ची की तबीयत खराब होने पर परिजनों द्वारा पूछताछ किए जाने पर उसने पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़ित बच्ची के परिजनों ने गोसाईगांव थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस संबंध में गोसाईगांव थाना कांड संख्या 74/26 दर्ज किया गया था। भारतीय न्याय संहिता की धारा 65 तथा पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई थी। इस मामले में विशेष अदालत ने खगेन मुसाहारी को प्राकृतिक मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दूसरा मामला गोसाईगांव थाना क्षेत्र के भदेयागुड़ी गांव का है। इस मामले में 61 वर्षीय ऐनाल शेख पर एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का आरोप था। आरोप के अनुसार, नाबालिग अपने घर से दादी के घर जा रही थी, रास्ते में आरोपित ने पीछे से उसे पकड़कर पास के सागवान के बागान में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। घटना के बाद पीड़िता के परिजनों ने गोसाईगांव थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले में गोसाईगांव थाना कांड संख्या 141/25 तथा कोकराझाड़ विशेष अदालत वाद संख्या 83/25 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2), 172, 65 एवं 62 तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 4 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। मंगलवार को विशेष अदालत ने ऐनाल शेख को भी प्राकृतिक मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोनों मामलों में अदालत के इस फैसले को नाबालिगों के विरुद्ध यौन अपराधों के प्रति सख्त न्यायिक रुख के रूप में देखा जा रहा है।

आज दुनिया को शांति...

आसियान की समृद्धि आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। आने वाले वर्षों में कि आसियान कम्युनिटी विजन 2045 और *विकसित भारत 2047* हमारे साझा लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। पीएम ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में, हमने अपनी साझेदारी को नई गति दी है। अब, हमें मिलकर अपने क्षेत्र के भविष्य के लिए एक नई राह तय करनी होगी। इस साझेदारी में आसियान की एकता और केंद्रीयता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता अटूट है और हमेशा बनी रहेगी। मुझे विश्वास है कि आज की बैठक हमारी *व्यापक रणनीतिक साझेदारी* को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी और एक सुरक्षित, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के निर्माण में योगदान देगी।

300 अधिकारियों की ...

सरकार को डर है कि प्रदर्शन कहीं उग्र न हो जाए। अगर ऐसा होता है तो सरकार के लिए स्थिति खराब हो सकती है। बांग्लादेश में कपड़ा यूनियन के मजदूर पहले से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले दिनों हजारों लोग सड़कों पर सरकार के खिलाफ उतरे थे। इन मजदूरों की मांग सैलरी बढ़ाने की है। कहा जा रहा है कि हसीना के समर्थकों के साथ कपड़ा मजदूर भी मिल सकते हैं। ऐसे में बांग्लादेश की सड़कों पर प्रदर्शन और उग्र हो सकता है। सरकार को सबसे ज्यादा डर अधिकारियों से है, जो शेख हसीना सरकार में ताकतवर थे। यूनुस सरकार में इन लोगों को साइडलाइन किया गया था, लेकिन बाद में सेना के दखल के बाद ये अधिकारी फिर से पावरफुल हो गए। सरकार को लगता है कि ये अधिकारी फिर से कोई खेल कर सकते हैं। वहीं सरकार की कोशिश शेख हसीना को गिरफ्तार कर ढाका लाने की है। वहीं हसीना ने राष्ट्रीय नागरिकता के लिए आवेदन किया है। आवामी लीग बॉर्डर के जरिए हसीना को बांग्लादेश वापस ले जाने की तैयारी में है।

महिलाओं की प्रभावी भागीदारी ...

नेतृत्व और लोकतांत्रिक संस्थाओं में उनकी प्रभावी भागीदारी के महत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भगवान बसवेश्वर के अनुभव मंडप की गौरवशाली लोकतांत्रिक परंपरा और कित्तूर की रानी चेन्नम्मा के अदम्य साहस की साक्षी कर्नाटक की धरती ज्ञान, नवाचार और प्रगतिशील चेतना की विशिष्ट पहचान रखती है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम, संविधान निर्माण और राष्ट्र के नवनिर्माण में महिलाओं का योगदान अविस्मरणीय रहा है। आज महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, खेल, अंतरिक्ष, रक्षा और राजनीति सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और नेतृत्व से नए प्रतिमान स्थापित कर रही हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल माध्यमों का जिम्मेदार एवं नैतिक उपयोग नीति निर्माण, विधायी कार्यवाही, जनसंवाद और सुशासन को

धान खरीद का लक्ष्य हासिल करने के लिए मंत्री कौशिक राय ने चावल मिल मालिकों के साथ की समीक्षा बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। असम के खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री कौशिक राय ने मंगलवार को राज्यभर के चावल मिल मालिकों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सभागार में असम खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम लिमिटेड (एएफसीएससीएल) की पहल पर आयोजित इस बैठक में मंत्री ने मिल मालिकों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और दिसंबर तक उनके लंबित बकाए का भुगतान सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान चावल मिल मालिकों ने धान खरीद और चावल आपूर्ति से जुड़ी विभिन्न परिचालन एवं प्रक्रियागत कठिनाइयों को मंत्री के समक्ष रखा। उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए राय ने कहा कि सभी मुद्दों की समीक्षा कर चरणबद्ध तरीके से आवश्यक समाधान निकाला जाएगा। मंत्री ने खरीफ विपणन सत्र (केएमएस) 2026-27 के पहले



चरण में 8.49 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सभी संबंधित पक्षों से मिलकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में धान खरीद की पहल शुरू होने के बाद से असम ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। पिछले वर्ष राज्य ने खरीद के दोनों चरणों को मिलाकर अब तक का सर्वाधिक 8.05 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा था। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए किसानों, धान खरीद केंद्रों, चावल मिल मालिकों, विभागीय अधिकारियों और अन्य संबंधित पक्षों को बधाई दी। धान खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने पर जोर देते हुए मंत्री ने बताया कि धान खरीद केंद्रों की कार्यप्रणाली की निगरानी के लिए संबंधित विधायकों की अध्यक्षता में विधानसभा क्षेत्र स्तर पर समितियों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि धान खरीद से लेकर चावल की आपूर्ति तक पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए व्यापक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जाएगी। राय ने भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के क्षेत्रीय कार्यालय को राज्य के विभिन्न जिलों में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को एक साझा मंच पर लाने तथा खरीद प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं से उन्हें अवगत कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि धान खरीद और चावल आपूर्ति व्यवस्था की सफलता किसानों, खरीद केंद्रों, चावल मिल मालिकों, एफसीआई और संबंधित सरकारी विभागों के बीच बेहतर समन्वय पर निर्भर करती है। सभी पक्षों को निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए, ताकि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य मिल सके और चावल मिल मालिकों के बकाए का समय पर भुगतान सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मंत्री ने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा और असम की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए धान खरीद व्यवस्था में लगातार सुधार किया जा रहा है। बैठक में खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग के अपर मुख्य सचिव विश्वरंजन सामल ने चावल मिल मालिकों के संचालन को सुगम बनाने के लिए उपलब्ध विभिन्न प्रक्रियागत प्रावधानों और उपायों की जानकारी दी। उन्होंने विभाग की ओर से समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन भी दिया। असम खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के उपाध्यक्ष दीवान ध्रुवज्योति मरल और भारतीय खाद्य निगम के क्षेत्रीय कार्यालय के उप महाप्रबंधक फैसल नईम ने भी बैठक को संबोधित किया और मिल मालिकों की समस्याओं के समाधान में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। बैठक में विभाग की सचिव अनुसूया दत्ता बरुवा, आयुक्त हेमंत भुइयां, निगम के प्रबंध निदेशक परिजात भुइयां सहित संबंधित विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री दैमारी ने आईटीआई गुवाहाटी में कौशल विकास पहलों और आधारभूत ढांचे की समीक्षा की

गुवाहाटी (हिंस)। असम के कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग के मंत्री विश्वजीत दैमारी ने मंगलवार को गुवाहाटी के गोपीनाथ नगर, बीरूबाड़ी स्थित आईटीआई परिसर में असम कौशल विश्वविद्यालय के सिटी कैंपस का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कौशल विकास से जुड़ी विभिन्न पहलों और आधारभूत ढांचे की समीक्षा की। दौरे के दौरान मंत्री ने जापानी भाषा शिक्षक विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के साथ बातचीत की। आठ महीने का यह प्रशिक्षण कार्यक्रम असम कौशल विश्वविद्यालय द्वारा जापान फाउंडेशन और इंडो-जापान बिजनेस काउंसिल के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत के शैक्षणिक संस्थानों में जापानी भाषा और संस्कृति के अध्ययन को बढ़ावा देना है। मंत्री ने विद्यार्थियों से उनके प्रशिक्षण अनुभव, पाठ्यक्रम की रूपरेखा और जापानी भाषा में दक्षता हासिल करने के बाद



उपलब्ध होने वाले रोजगार एवं करियर के अवसरों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार की संभावनाओं को लेकर विद्यार्थियों से चर्चा की। इसके बाद दैमारी ने आईटीआई गुवाहाटी परिसर में निर्माणाधीन नॉर्थ ईस्ट स्किल सेंटर भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करने के साथ परियोजना को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। मंत्री ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), गुवाहाटी का भी दौरा किया और संस्थान की समग्र कार्यप्रणाली, संचालित विभिन्न ट्रेड एवं पाठ्यक्रमों तथा उपलब्ध प्रशिक्षण सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए राज्य के युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने पर जोर दिया। इस अवसर पर रोजगार एवं शिल्पकार प्रशिक्षण निदेशालय (डीईसीटी), असम के निदेशक टंकेश्वर दास, असम कौशल विकास मिशन के मिशन निदेशक हनीफ नूरानी, आईटीआई गुवाहाटी की प्राचार्य ऐभी लता बोड़ो सहित विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने *कार्बी आंग्लांग दिवस* की दी शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। *कार्बी आंग्लांग दिवस* पर मुख्यमंत्री ने जिले के लोगों को अपनी शुभकामना प्रेषित किया है। मुक्यमंत्री ने सोशल मीडिया फेसबुक पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा है, प्राकृतिक सुंदरता और भौगोलिक विविधता से समृद्ध कार्बी आंग्लांग हमारे असम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। *कार्बी आंग्लांग दिवस* के शुभ अवसर पर, मैं जिले के सभी निवासियों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा है, हमारी सरकार कार्बी आंग्लांग की अखंडता और निजता को सुरक्षित रखने तथा मानव संसाधनों के विकास और जनता के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हम विकास, शांति और सद्भाव के रास्ते पर चलकर एक समृद्ध कार्बी आंग्लांग बनाने के संकल्प के साथ निरंतर काम करते रहेंगे। ज्ञात हो कि आज *कार्बी आंग्लांग दिवस* पर आयोजित होने वाले समारोह में मुख्यमंत्री हिस्सा लेने वाले हैं।

दुलियाजान तिहरे हत्याकांड में बड़ा खुलासा

ऑनलाइन गेमिंग में कर्ज के चलते लूट की बनाई थी योजना

डिब्रूगढ़ (हिंस)। असम के डिब्रूगढ़ जिले के दुलियाजान में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की सोमवार को की गई निर्मम हत्या के मामले में जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण खुलासे हुए हैं। पुलिस ने आज बताया है कि इस सिलसिले में परिवार की देखभालकर्ता राजू दास और उसके सहयोगी अमीर दास को गिरफ्तार किया है। दोनों को शिवसागर जिले के सिमलुगुड़ी रेलवे स्टेशन के पास वारदात के दूसरे दिन उस समय पकड़ा गया, जब वे अवध असम एक्सप्रेस से कोलकाता भागने की कोशिश कर रहे थे। मृतकों की पहचान चंद्रकांत भुइयां, उनकी पत्नी एलिजा भुइयां और बेटी निहारिका भुइयां के रूप में हुई है। सोमवार शाम उनके घर के अंदर तीनों के शव बरामद किए गए थे। चंद्रकांत भुइयां ऑयल इंडिया लिमिटेड के सेवानिवृत्त कर्मचारी थे। जांच में सामने आए घटनाक्रम के अनुसार, आरोपितों ने घर में प्रवेश करते ही सबसे पहले चंद्रकांत भुइयां पर हमला किया। इसके बाद रसोईघर में एलिजा भुइयां की हत्या कर दी गई, जबकि उनकी बेटी निहारिका को शयनकक्ष में मौत के घाट उतार दिया गया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, ऑनलाइन गेमिंग में भारी नुकसान के कारण राजू दास और अमीर आर्थिक तंगी तथा कर्ज में डूब गए थे। बताया जा रहा है कि राजू दास ने चंद्रकांत भुइयां से भी रुपए उधार लिए थे, लेकिन वह कर्ज चुकाने में असमर्थ था। पुलिस को संदेह है कि कर्ज चुकाने के लिए दोनों ने चंद्रकांत भुइयां के घर में लूटपाट की योजना बनाई थी।

काजीरंगा सड़क हादसे की उच्चस्तरीय जांच के आदेश, गोलाघाट के डीटीओ निलंबित

छह प्रवर्तन अधिकारी भी पहले ही किए जा चुके हैं निलंबित

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास रंगाजान में 13 नवंबर को हुए भीषण सड़क हादसे की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। इस हादसे में 26 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 20 अन्य घायल हुए थे। प्रशासनिक निगरानी में कथित लापरवाही के आरोप में गोलाघाट के जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) राजीव पेगू को निलंबित कर दिया गया है। इससे पहले गोलाघाट प्रशासन छह प्रवर्तन अधिकारियों को भी निलंबित कर चुका है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से सोमवार को जारी आदेश के अनुसार, आईएएस अधिकारी एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव केसी समरिया जांच का नेतृत्व करेंगे। उन्हें दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। जांच में हादसे के कारणों के साथ-साथ जिम्मेदारी तय की जाएगी और यह भी पता लगाया जाएगा कि कहीं प्रशासनिक स्तर पर कोई चूक या लापरवाही तो नहीं हुई। सीएमओ के अनुसार, गोलाघाट के डीटीओ राजीव पेगू को प्रशासनिक निगरानी और नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने में कथित विफलता के कारण निलंबित किया गया है। उल्लेखनीय है कि 13 नवंबर को काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास रंगाजान में एक मिनीबस की कंटेनर ट्रक से टक्कर हो गई थी। हादसा इतना भीषण था कि महिलाओं और बच्चों समेत 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 अन्य घायल हो गए। घायलों में करीब 15 लोगों का अब भी इलाज चल रहा है। इनमें एक घायल डिब्रूगढ़ स्थित असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती है, जबकि अन्य घायलों का इलाज जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में किया जा रहा है। हादसे के बाद मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मृतकों के परिजनों को नौ-नौ लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी। इस राशि में केंद्र सरकार की ओर से दी जाने वाली दो लाख रुपए की सहायता भी शामिल है।

फकीराग्राम में उत्साह और उमंग के साथ शुरू हुई खेल महारण 3.0 की नगरपालिका स्तरीय प्रतियोगिता

कोकराझाड़ (हिंस)। असम सरकार के खेल विभाग की पहल पर आयोजित राज्यव्यापी खेल कार्यक्रम खेल महारण 3.0 के तहत आज कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम नगरपालिका स्तरीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ उत्साह और उमंग के साथ हुआ। फकीराग्राम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में 7 नंबर फकीराग्राम परिषद निर्वाचन क्षेत्र के पार्षद अजामुल हक उपस्थित रहे। वहीं फकीराग्राम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्रधान शिक्षिका उर्मिला राय, फकीराग्राम नगरपालिका के अध्यक्ष सुल्तान आलम सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं खेल प्रेमी भी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि युवा पीढ़ी में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने, छिपी हुई खेल प्रतिभाओं की पहचान करने तथा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने खेल महारण कार्यक्रम की शुरुआत की है। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रतियोगिता को लेकर फकीराग्राम क्षेत्र में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। 17, 18 एवं 19 नवंबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में वॉलीबॉल, योगासन, शतरंज, फुटबॉल, तैराकी, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग एवं एक्वाथलॉन सहित विभिन्न खेल विधाओं को शामिल किया गया है। इस अवसर पर फकीराग्राम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्रधान शिक्षिका उर्मिला राय ने खेल महारण जैसे आयोजन को विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास तथा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

बीएसएफ महानिदेशक प्रवीण कुमार ने सोनापुर स्थित एसएसबी बटालियन का दौरा किया



गुवाहाटी (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक प्रवीण कुमार, आईपीएस, ने मंगलवार को असम के सोनापुर स्थित सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की प्रथम बटालियन का दौरा किया। पूर्वोत्तर क्षेत्र में बीएसएफ की विभिन्न इकाइयों के दौरे के दौरान वह यहां कुछ समय के लिए रुके। इस अवसर पर गुवाहाटी स्थित एसएसबी के फ्रंटियर मुख्यालय के महानिरीक्षक सुधीर वर्मा ने उनका स्वागत किया। इस दौरान बटालियन के जवानों की ओर से महानिदेशक को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। औपचारिक स्वागत कार्यक्रम के बाद प्रवीण कुमार ने उपस्थित अधिकारियों के साथ बातचीत की। इसके बाद महानिदेशक अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मेघालय के लिए रवाना हो गए।

कार चालक की हत्या के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के जागीरोड पुलिस ने कार चालक अश्राफुल इस्लाम की हत्या के मामले में शामिल तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि मोरीगांव के अश्राफुल की हत्या मामले में शामिल तीन आरोपितों को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जिले के मायंग पगलामारी निवासी सईदुल इस्लाम, जागीरोड रोहा पहाड़ के उमर फारूक और मिकिरभेटा के सजरुल के रूप में की गई है। तीनों पर अश्राफुल की हत्या किए जाने का आरोप है। पुलिस पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार तीनों आरोपितों से सघन पूछताछ कर रही है । वहीं अश्राफुल के परिजनों ने मुख्यमंत्री से तीनों का एनकाउंटर किए जाने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि अश्राफुल इस्लाम का शव बीते 14 नवंबर को कार (एएस-04के-5051) के अंदर से बरामद किया गया था।

उप-राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान की तैयारियों की डीसी ने की समीक्षा

कोकराझाड़ (हिंस)। आगामी उप-राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान की तैयारियों को लेकर मंगलवार को कोकराझाड़ जिला आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में जिला टास्क फोर्स की दूसरी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने की। बैठक में जिला टीकाकरण अधिकारी (डीआईओ) डॉ. डी भौवाल सहित विभिन्न ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक (बीपीएम), जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम), बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) तथा संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में जानकारी दी गई कि कोकराझाड़ जिले में आगामी 22 नवंबर 2026 को निर्धारित टीकाकरण केंद्रों पर अभियान चलाया जाएगा। इसके बाद 23 और 24 नवंबर को स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा घर-घर जाकर टीकाकरण से छूटे हुए पात्र बच्चों की पहचान कर उन्हें अभियान के दायरे में लाया जाएगा। अभियान का



मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच वर्ष तक के आयु वर्ग के किसी भी पात्र बच्चे को टीकाकरण से वंचित नहीं रहने देना है। जिला प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार, कोकराझाड़ जिले की कुल आबादी 10,29,511 है। जिले में लगभग 2,01,714 परिवार और 1,452 गांव हैं। वहीं, शून्य से पांच वर्ष तक के लक्षित आयु वर्ग में कुल 1,21,677 बच्चे शामिल हैं। बैठक के दौरान अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। इसमें सूक्ष्म कार्ययोजना तैयार करने, पात्र बच्चों की पहचान, जन-जागरूकता अभियान, सामुदायिक सहभागिता और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि जिले में अधिकतम टीकाकरण कवरेज सुनिश्चित किया जा सके। जिला आयुक्त पंकज चक्रवर्ती ने स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में मौजूद कमियों को दूर करने की आवश्यकता पर बल देते हुए संबंधित अधिकारियों को मिनी सब-सेंटर स्तर पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष पहल करने को कहा। साथ ही असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एएसआरएलएम) के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर समुदाय की भागीदारी बढ़ाने तथा विशेष ध्यान देने वाले क्षेत्रों में परिवारों को अभियान से जोड़ने पर भी जोर दिया। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के महत्व को रेखांकित करते हुए जिला आयुक्त ने महिलाओं को जागरूक एवं सशक्त बनाने, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने तथा समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए निरंतर विभागीय समन्वय, सामुदायिक सहभागिता और जमीनी स्तर पर सक्रिय प्रयास जरूरी हैं।

होजाई में जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन और परिवहन विभाग का संयुक्त अभियान

होजाई (निसं)। यातायात संचालन के मामले में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से होजाई के जिला उपायुक्त संजय दत्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसपी) निरूपम हजारिका के नेतृत्व में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और परिवहन विभाग ने संयुक्त रूप से होजाई और लंका बस स्टैंड के पास सोमवार को एक विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत कई वाहनों को जब्त किया गया तथा वाहनों के आवश्यक दस्तावेजों, वैधता और अन्य संबंधित पहलुओं की पूरी तरह से जांच की गई। जिला उपायुक्त ने सभी वाहन चालकों और सवारों से हेलमेट पहनने, यातायात नियमों और ट्रैफिक कानूनों का पालन करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जवाबदेह होने की अपील की।

कृषि क्षमता निर्माण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बीएएससी और एएयू के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर



कोकराझाड़ (हिंस)। क्षेत्र में कृषि क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण और अनुसंधान को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बोडोलैंड एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज, कोकराझाड़ और असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट के बीच मंगलवार को बीएएससी परिसर में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता बीटीसी के उप प्रमुख रिहोन दैमारी, असम कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति दिव्यज्योति राजखोवा और कोकराझाड़ के जिला आयुक्त सह प्रशिक्षण निदेशक पंकज चक्रवर्ती की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर एएयू के विभिन्न निदेशकों और कुलसचिव सहित जिला व कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। इस समझौता ज्ञापन का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की विशिष्ट कृषि आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए किसान-केंद्रित क्षमता निर्माण, उन्नत कृषि प्रशिक्षण और व्यावहारिक अनुसंधान के लिए एक सुव्यवस्थित ढांचा तैयार करना है। इस साझेदारी के माध्यम से आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने, तकनीक हस्तांतरण, संकाय एवं छात्रों के आदान-प्रदान तथा कृषि विस्तार अधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण की सुविधा मिलेगी। इन पहलों का लक्ष्य जमीनी स्तर पर सेवा वितरण को सुदृढ़ करना, कृषि ज्ञान व कौशल को बढ़ावा देना तथा बीटीसी क्षेत्र में सतत और लचीले कृषि विकास में योगदान देना है।

धुबड़ी और होजाई में राष्ट्रीय प्रेस दिवस आयोजित

धुबड़ी (विभास)। धुबड़ी जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय और धुबड़ी जिला प्रशासन द्वारा मिलकर राष्ट्रीय प्रेस दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 16 नवंबर 2026 को धुबड़ी स्थित सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी के कार्यालय में हुआ। उक्त कार्यक्रम का मुख्य विषय का व्याख्या पत्रकारिता लोकप्रिय या जिम्मेदारी था। इसका मतलब ऐसी खबरो से हैं जो केवल टीआरपी न्यूज लायक सनसनी फैलाने के लिए दिखाई जाती है, कई बार लोकप्रियता होने की दौड़ में खबर की सच्चाई या गंभीरता पीछे छूट जाती है। इसका अर्थ है तत्वों की जांच करके निष्पक्ष रूप से और समाज के हित को ध्यान में रखकर खबर दिखाना या लिखना जिम्मेदार पत्रकारिता का काम लोगों को सही जानकारी देना और लोकतंत्र को मजबूत करना है। चाहे वह खबर कम लोकप्रिय ही क्यों ना हो, इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य यह है कि पत्रकारों को केवल लोकप्रियता



के पीछे भागने के बजाए अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को प्राथमिकता देना चाहिए इस कार्यक्रम में उपस्थित कई पत्रकारों ने अपने-अपने भाषण रखा जिसमें वरिष्ठ पत्रकार प्रानवाशिष राय ने अपने भाषण में हम सभी संवाददाताओं के लिए सुरक्षा की व्यवस्था के साथ-साथ कुछ दिन भर की कामों की मजदूरी भी देने का असम सरकार से मांग किया। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार पत्रकारिता की गरिमा, सामाजिक उत्तरदायित्व और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया के महत्व को पुन: प्रतिष्ठित करने के उद्देश्य से होजाई जिला प्रशासन और जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, होजाई के संयुक्त तत्वावधान में होजाई जिला उपायुक्त कार्यालय के सभागार में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ राष्ट्रीय प्रेस दिवस-2026 मनाया गया। इस कार्यक्रम में होजाई के जिला उपायुक्त श्री संजय दत्त मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रभारी जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी श्रीमती राखिश्री लेखारू द्वारा संचालित इस कार्यक्रम की शुरुआत जिला उपायुक्त द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ की गई। उन्होंने उपस्थित पत्रकारों को फुलाम गामोचा और उपहार देकर सम्मानित किया तथा राष्ट्रीय प्रेस दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दीं। कार्यक्रम की शुरुआत में ज्ञात-अज्ञात दिवंगत पत्रकारों के साथ-साथ बीते 13 नवंबर को काजीरंगा के रंगाजान में हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना में असमय जान गंवाने वाले लोगों की दिवंगत आत्मा की शांति के लिए सभी ने एक मिनट का मौन रखकर प्रार्थना की। इस वर्ष के राष्ट्रीय प्रेस दिवस के मुख्य विषय *पत्रकारिता* : लोकप्रिय या जिम्मेदार पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए जिला उपायुक्त संजय दत्त ने समाज निर्माण में मीडिया की भूमिका और पत्रकारों के पेशेवर तथा सामाजिक उत्तरदायित्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने समाचार प्रसारण के क्षेत्र में क्षणिक लोकप्रियता की तुलना में सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, विश्वसनीयता और पेशेवर नैतिकता को अधिक प्राथमिकता देने का आह्वान किया। संगोष्ठी में भाग लेते हुए उपस्थित पत्रकारों ने भी अपने-अपने विचार रखे। उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में लोकप्रियता हासिल करने की दौड़ के मुकाबले जिम्मेदार, तथ्यात्मक और जनहितकारी समाचार प्रसारण पर अधिक जोर देने की आवश्यकता दोहराई। साथ ही, पत्रकारिता की पेशेवर गरिमा को बनाए रखने में नैतिकता और निष्पक्षता के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित अतिरिक्त उपायुक्त रुबु बोरा ने भी इस विषय पर एक विचारोत्तेजक और महत्वपूर्ण भाषण दिया। बैठक में नवनियुक्त अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती सृष्टि कश्यप भी उपस्थित थीं।

संपादकीय

हमारा लोकतंत्र जिंदा है

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बार-बार, देश के भीतर और विदेश में, यह क्यों कहते हैं कि 2014 में ही भारत का लोकतंत्र नष्ट हो चुका था। उन्हें यह एहसास 10 सालों के बाद, 2024 में, कैसे और क्यों हुआ? वह खुद आज सांसद किस आधार पर हैं? राहुल गांधी सिर्फ बयान ही नहीं देते, बल्कि अमरीका और यूरोपीय देशों से सवाल भी पूछते हैं कि वे भारत के लोकतंत्र में हस्तक्षेप क्यों नहीं करते? यह और भी अहम सवाल है कि विदेशी संप्रभु भारत के आंतरिक मामलों में दखलंदाजी कैसे कर सकते हैं? यह सवाल अब और भी प्रासंगिक हो गया है, क्योंकि हैदराबाद में 'भारत समिट' के मंच से इटली की 'यूरोपीय सोशलिस्ट पार्टी' के कथित महासचिव जियाकोमी फिलिबेक ने नारा लगाया- 'वोट चोर, गद्दी छोड़।' इस पर राहुल गांधी ने तालियां बजाईं, हंसते रहे और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की हंसी भी रुक नहीं पाई। राहुल की बगल में सर्वोच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी भी मौजूद थे। वह भी मुस्कराते रहे। वह 2025 में उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी 'इंडी' गठबंधन के उम्मीदवार थे। एक विदेशी ने ऐसा बयान देकर भारत की सत्ता को 'चोर' करार दिया है। परोक्ष रूप से देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री और उनकी शपथधारी सरकार को 'फर्जी' बताया है। एक इटालवी नेता ने, भारत में और भारत के सार्वजनिक मंच से, भारत के करोड़ों मतदाताओं के जनादेश और खुद भारत को अपमानित किया है। कड़ा विरोध करने के बजाय हंसकर उस विदेशी के भारत-विरोधी नारे को समर्थन दिया गया। क्या अब नेता प्रतिपक्ष पदेन शख्सियत देश के अपमान पर भी हंसेगी? यह भारत में और भारतीय लोकतंत्र को स्वीकार्य नहीं है। लोकतंत्र भारत की सांसों, सभ्यता, संस्कार, परंपरा, सोच-विचार और व्यवहार में है। लोकतंत्र सदियों से जिंदा है और अब संविधान के आधार पर लोकतंत्र जिंदा रहेगा। बेशक राहुल गांधी और विपक्ष के एक तबके ने 'वोट चोरी' को राजनीतिक मुद्दा बना रखा है। भारत का लोकतंत्र और संविधान उन्हें ऐसा अधिकार देते हैं, लेकिन एक विदेशी कैसे नारा लगा सकता है-'वोट चोर, गद्दी छोड़।' इटली का वह नेता किस स्तर का है और यूरोप के स्तर पर उसकी पहचान, उसका राजनीतिक कद कितना है, यह हम नहीं जानते, लेकिन उस विदेशी का बयान और नेता प्रतिपक्ष का व्यवहार दोनों ही घोर आपत्तिजनक हैं। खुद राहुल गांधी 2004 से निरंतर लोकसभा सांसद हैं। 22 साल से अधिक के अनुभव के साथ अब वह वरिष्ठ सांसद हो गए हैं, लिहाजा कुछ 'परिपक्वता' अपेक्षित है। नेता प्रतिपक्ष के पद को 'छाया प्रधानमंत्री' माना जाता है। क्या यह प्रतिष्ठा और संवैधानिक स्थिति गैर-लोकतांत्रिक देश में संभव है? विपक्ष के चेहरे के तौर पर राहुल गांधी लगातार विरोध-प्रदर्शन करते रहे हैं, 'वोट चोरी' आदि के मुद्दों पर सर्वोच्च अदालत में याचिका विचाराधीन है, राष्ट्रपति को भी ज्ञापन दे चुके हैं कि चुनाव आयोग में कई विसंगतियां हैं और वह लगभग हररोज यह बयान देते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी डरे हुए हैं। उनकी सरकार जाने वाली है। देश का आर्थिक ढांचा और मॉडल नष्ट हो चुके हैं। यदि भारत में लोकतंत्र खत्म हो चुका होता, तो क्या राहुल गांधी यह सब कुछ कह और कर पाते? वह यह बयान भी दे रहे हैं कि आत्मविश्वास से कह रहा हूं कि हम मोदी को हरा देंगे। 2027 की शुरुआत में ही उप्र, पंजाब समेत 5-6 राज्यों में चुनाव हैं। उनमें ही राहुल गांधी की पार्टी की हकीकत सामने आ जाएगी। बहरहाल मोदी और उनकी पार्टी को चुनावों में हराएंगे, तभी अगले प्रधानमंत्री बन पाएंगे। बयानों से सरकारें नहीं बदला करतीं। यह जीत-हार अखाड़े की नहीं है। यदि 2014 में ही लोकतंत्र नष्ट हो जाता, तो कांग्रेस के 660 से अधिक विधायक और करीब 99 लोकसभा सांसद कैसे जीत पाते? तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, हिमाचल में सरकारें कैसे बन पातीं? कांग्रेस तमिलनाडु, झारखंड सरीखे राज्यों की सरकारों में भी साझेदार है। दरअसल संवेदनशील मुद्दा विदेशी दखलंदाजी का है। हम यह आरोप लगाने के पक्ष में नहीं हैं कि राहुल गांधी की विदेशी एजेंटों, ताकतों, नेताओं के साथ 'सांठगांठ' है।

2014 में ही भारत का लोकतंत्र नष्ट हो चुका था। उन्हें यह एहसास 10 सालों के बाद, 2024 में, कैसे और क्यों हुआ? वह खुद आज सांसद किस आधार पर हैं? राहुल गांधी सिर्फ बयान ही नहीं देते, बल्कि अमरीका और यूरोपीय देशों से सवाल भी पूछते हैं कि वे भारत के लोकतंत्र में हस्तक्षेप क्यों नहीं करते? यह और भी अहम सवाल है कि विदेशी संप्रभु भारत के आंतरिक मामलों में दखलंदाजी कैसे कर सकते हैं? यह सवाल अब और भी प्रासंगिक हो गया है, क्योंकि हैदराबाद में 'भारत समिट' के मंच से इटली की 'यूरोपीय सोशलिस्ट पार्टी' के कथित महासचिव जियाकोमी फिलिबेक ने नारा लगाया-'वोट चोर, गद्दी छोड़।' इस पर राहुल गांधी ने तालियां बजाईं, हंसते रहे और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की हंसी भी रुक नहीं पाई। राहुल की बगल में सर्वोच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी भी मौजूद थे। वह भी मुस्कराते रहे। वह 2025 में उपराष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी 'इंडी' गठबंधन के उम्मीदवार थे। एक विदेशी ने ऐसा बयान देकर भारत की सत्ता को 'चोर' करार दिया है। परोक्ष रूप से देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री और उनकी शपथधारी सरकार को 'फर्जी' बताया है। एक इटालवी नेता ने, भारत में और भारत के सार्वजनिक मंच से, भारत के करोड़ों मतदाताओं के जनादेश और खुद भारत को अपमानित किया है। कड़ा विरोध करने के बजाय हंसकर उस विदेशी के भारत-विरोधी नारे को समर्थन दिया गया। क्या अब नेता प्रतिपक्ष पदेन शख्सियत देश के अपमान पर भी हंसेगी? यह भारत में और भारतीय लोकतंत्र को स्वीकार्य नहीं है।

हर सांस पर प्रदूषण का पहरा, कैसे मिले सीओपीडी से मुक्ति?

जहरीली हवा, धूम्रपान और घरेलू प्रदूषण बन रहे फेफड़ों के दुश्मन

सांस लेना जीवन की सबसे सहज और स्वाभाविक क्रिया है लेकिन तेजी से बिगड़ते पर्यावरण और बदलती जीवनशैली ने आज इसी सहज प्रक्रिया को चुनौती बना दिया है। महानगरों में जहरीली हवा, घरों के भीतर धुएं का जमाव, तंबाकू का बढ़ता सेवन और कार्यस्थलों पर हानिकारक धूल-कणों का संपर्क धीरे-धीरे हमारे फेफड़ों को कमजोर कर रहा है। इसका एक गंभीर परिणाम 'क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज' (सीओपीडी) के रूप में सामने आ रहा है। यह फेफड़ों की ऐसी दीर्घकालिक बीमारी है, जिसमें सांस की नलियां संकरी हो जाती हैं, उनमें सूजन और बलगम जमा होने लगता है तथा फेफड़ों की वायुकोषिकाएं भी क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। परिणामस्वरूप व्यक्ति को सांस लेने और सामान्य शारीरिक गतिविधियां करने में परेशानी होने लगती है। विडंबना यह है कि इस बीमारी की शुरुआत अक्सर इतनी धीमी होती है कि लोग इसके शुरुआती संकेतों को उम्र का असर, सामान्य खांसी या मौसम का बदलाव समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्ष 2023 में दुनियाभर में सीओपीडी के कारण लगभग 34 लाख लोगों की मृत्यु हुई, जो वैश्विक स्तर पर मृत्यु का तीसरा प्रमुख कारण रही। यह आंकड़ा इस बीमारी की गंभीरता और इसके विरुद्ध समय रहते कदम उठाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। इसी उद्देश्य से प्रतिवर्ष नवंबर के तीसरे बुधवार को 'विश्व सीओपीडी दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष 18 नवंबर को मनाए जा रहे विश्व सीओपीडी दिवस की थीम है 'बेहतर जीवन के लिए शीघ्र निदान और प्रबंधन'। 'ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव लंग डिजीज' (गोल्ड) द्वारा निर्धारित यह विषय स्पष्ट संदेश देता है कि बीमारी की समय रहते पहचान और समुचित उपचार से मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है। सीओपीडी के प्रमुख रूपों में क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस और एम्फीसेमा शामिल हैं। क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस में सांस की नलियों की भीतरी परत में लगातार सूजन रहती है और अधिक बलगम बनने लगता है जबकि एम्फीसेमा में फेफड़ों की छोटी-छोटी वायुकोषिकाएं क्षतिग्रस्त होकर अपनी सामान्य लोच खोने लगती हैं। इन दोनों स्थितियों में फेफड़ों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है और शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन पहुंचाने की प्रक्रिया कठिन हो जाती है।



सीओपीडी के सामान्य लक्षणों में लगातार खांसी, कफ बनना, सीढ़ियां चढ़ने या थोड़ी दूर चलने पर सांस फूलना, सीने में जकड़न, घरघराहट और असामान्य थकान शामिल हैं। बार-बार सांस संबंधी संक्रमण होना भी खतरे का संकेत हो सकता है। बीमारी बढ़ने पर व्यक्ति को आराम की अवस्था में भी सांस लेने में परेशानी होने लगती है। सीओपीडी का सबसे प्रमुख जोखिम कारक धूम्रपान है। सिगरेट, बीड़ी, हुक्का और अन्य तंबाकू उत्पादों का धुआं फेफड़ों की नाजुक संरचनाओं को लगातार नुकसान पहुंचाता है। हालांकि यह मानना गलत है कि केवल धूम्रपान करने वाले ही इस बीमारी की चपेट में आते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, निम्न और मध्यम आय वाले देशों में सीओपीडी के लगभग 30 से 40 प्रतिशत मामले तंबाकू धूम्रपान से जुड़े हैं और घरेलू वायु प्रदूषण भी एक प्रमुख जोखिम कारक है यानी धूम्रपान न करने वाले लोग भी प्रदूषित वातावरण में लंबे समय तक रहने के कारण इस बीमारी के शिकार हो सकते हैं। विशेष रूप से महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और ऐसे लोग अधिक जोखिम में रहते हैं, जो वर्षों तक लकड़ी, कोयले, उपलों तथा फसल अवशेषों के धुएं के बीच खाना पकाते या काम करते हैं। दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस चुनौती को और गंभीर बना देती है। सर्दियों के आगमन के साथ ही यहां वायु प्रदूषण का स्तर चिंताजनक स्थिति में पहुंच जाता है। वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों की धूल, सड़क की धूल, कचरा एवं पराली जलाने से निकलने वाला धुआं और मौसम संबंधी प्रतिकूल परिस्थितियां मिलकर हवा को जहरीला बना देती हैं। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण विशेषकर पीएम 2.5 इतने छोटे होते हैं कि सांस के साथ फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से श्वसन तंत्र में सूजन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ता है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि प्रदूषण का संकट केवल घर से बाहर तक सीमित नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक चूल्हों से निकलने वाला धुआं, अपर्याप्त वेंटिलेशन वाली रसोई, घर के भीतर अगरबत्ती और धूप का अत्यधिक धुआं तथा तंबाकू का निष्क्रिय सेवन भी फेफड़ों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर, खदानों, कारखानों, निर्माण स्थलों, कपड़ा उद्योग और रासायनिक इकाइयों में काम करने वाले श्रमिक धूल, धुएं और हानिकारक रसायनों के लगातार संपर्क में रहते हैं। इसलिए सीओपीडी की रोकथाम के लिए केवल सिगरेट छोड़ने की सलाह पर्याप्त नहीं है बल्कि स्वच्छ घरेलू ईंधन, बेहतर रसोई वेंटिलेशन, कार्यस्थलों पर सुरक्षा उपकरण और स्वच्छ बाहरी वातावरण भी उतने ही जरूरी हैं। इस बीमारी की सबसे बड़ी चुनौती इसका देर से पहचाना जाना है। बहुत से लोग लंबे समय तक खांसी और सांस फूलने को सामान्य समस्या मानकर स्वयं ही खांसी की दवाएं लेते रहते हैं। कुछ लोग उम्र बढ़ने के साथ शारीरिक क्षमता कम होने को स्वाभाविक समझकर चिकित्सकीय जांच नहीं कराते। सीओपीडी की पुष्टि के लिए स्पाइरोमेट्री नामक सांस की जांच सबसे महत्वपूर्ण है। इसमें व्यक्ति को एक उपकरण में जोर से सांस छोड़नी होती है, जिससे फेफड़ों की कार्यक्षमता और वायु प्रवाह में रुकावट का पता चलता है। केवल लक्षणों या छाती के एक्स-रे के आधार पर सीओपीडी की पुष्टि नहीं की जा सकती। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी लक्षणों और जोखिम कारकों के आधार पर संदेह होने पर स्पाइरोमेट्री से निदान की पुष्टि करने की सलाह देता है। सीओपीडी का फिलहाल ऐसा कोई उपचार उपलब्ध नहीं है, जिससे फेफड़ों को हुआ नुकसान पूरी तरह समाप्त किया जा सके लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि मरीज सामान्य और सक्रिय जीवन नहीं जी सकते। समय पर निदान, नियमित उपचार और जीवनशैली में आवश्यक बदलाव से बीमारी की प्रगति को धीमा करने, लक्षणों को नियंत्रित करने तथा गंभीर स्थितियों से बचने में मदद मिल सकती है। चिकित्सक मरीज की स्थिति के अनुसार ब्रोंकोडाइलेटर और अन्य उपयुक्त इनहेलर दवाएं देते हैं, जो सांस की नलियों को खोलने और सूजन कम करने में सहायक होती हैं। जरूरत पड़ने पर ऑक्सीजन थैरेपी और पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन की भी सलाह दी जा सकती है। नियमित शारीरिक गतिविधि, संतुलित पौष्टिक आहार और पर्याप्त आराम मरीज की जीवन गुणवत्ता बेहतर बनाने में सहायक हैं। रोकथाम के स्तर पर सबसे पहला और महत्वपूर्ण कदम धूम्रपान तथा तंबाकू का पूर्ण त्याग है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्ष 2023 में दुनियाभर में सीओपीडी के कारण लगभग 34 लाख लोगों की मृत्यु हुई, जो वैश्विक स्तर पर मृत्यु का तीसरा प्रमुख कारण रही। यह आंकड़ा इस बीमारी की गंभीरता और इसके विरुद्ध समय रहते कदम उठाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। इसी उद्देश्य से प्रतिवर्ष नवंबर के तीसरे बुधवार को 'विश्व सीओपीडी दिवस' मनाया जाता है। इस वर्ष 18 नवंबर को मनाए जा रहे विश्व सीओपीडी दिवस की थीम है 'बेहतर जीवन के लिए शीघ्र निदान और प्रबंधन'। 'ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव लंग डिजीज' (गोल्ड) द्वारा निर्धारित यह विषय स्पष्ट संदेश देता है कि बीमारी की समय रहते पहचान और समुचित उपचार से मरीजों के जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है।

देश | दुनिया से

अग्निपथ योजना में बदलाव का सही समय

लागू होने के चार साल बाद, अग्निपथ योजना के समक्ष पहली बड़ी चुनौती बनी, और सरकार ने चुपचाप नीति में बदलाव कर दिया। गत 4 नवंबर को, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अग्निवीरों की सेवा अवधि में दो साल के विस्तार को मंजूरी दे दी। चार साल का अनुबंध पूरा होने के बाद, जो अग्निवीर योग्यता के आधार पर शीर्ष 25 फीसदी में नहीं आ पाएंगे, उन्हें बतौर नियमित सैनिक शामिल होने का एक और मौका मिलेगा। अगर तो यह वास्तव में योजना को वापस लेने की शुरुआत है, तो स्वागतयोग्य है। लेकिन चार साल बाद ऐसा बदलाव होने पर वह सवाल उठता है जिसका उत्तर 2022 में कभी सही नहीं दिया गया था: सर्वप्रथम, एक समयसिद्ध, सफल व अच्छी तरह स्थापित प्रणाली इतनी जल्दबाजी में क्यों बदली जा रही है? 14 जून, 2022 को प्रेस सूचना ब्यूरो के एक नोट में कहा गया कि इस योजना से 'सशस्त्र बलों का चेहरा युवा रहेगा', 'नया जोश और जज्बा भरेगा' व सेना 'और अधिक तकनीक-कुशल' बनेगी। इसमें देशभक्ति, टीमवर्क, शारीरिक फिटनेस व देश के प्रति निष्ठा जैसे लाभों का भी जिक्र किया गया था। उक्त 'तर्कों' में से एक भी भर्ती की एक स्थापित प्रणाली, बुनियादी प्रशिक्षण व सैनिकों को चरणबद्ध रूप से शामिल करने की व्यवस्था को ध्वस्त करके, उसकी जगह एक ऐसी योजना लाने को न्यायोचित नहीं ठहराती, जिसे पहले कभी आजमाया नहीं हो और जो मूलतः त्रुटिपूर्ण है। जिन्होंने भर्ती रैलियां देखी हैं या उनके बारे सुना है, वे जानते हैं कि हमारे देश के युवाओं में जोश-जज्बे की कोई कमी नहीं; वे हजारों की संख्या में सेना में शामिल होने आते हैं। हमारी रेजिमेंटों, युद्धपोतों और स्क्वाड्रनों में नियुक्त फौजियों में देशभक्ति, टीमवर्क और फिटनेस पर कभी कोई सवाल नहीं उठा। साथ ही, 'देश के प्रति वफादारी' पैदा करने का तर्क इतना भी मजबूत नहीं कि इसके लिए कोई ऐसा उपाय किया जाए, जो दीर्घकाल में सशस्त्र बलों के मूल ढांचे पर ही असर डाल दे। भर्ती की औसत उम्र की घटाना एक अच्छा लक्ष्य लग सकता है, लेकिन उम्र का सीधा संबंध युद्ध लड़ने की क्षमता से नहीं होता। यह क्षमता कौशल से बनती है, और कौशल हासिल करने में समय लगता है। ज्यादातर देहात से आने वाले और हमारी त्रुटिपूर्ण शिक्षा प्रणाली से निकले नए रंगरूटों के लिए चार से छह महीने का बुनियादी प्रशिक्षण नाकाफी है। किसी सैनिक, नाविक या वायुसैनिक को जटिल और महंगे युद्धक उपकरण या हथियार सौंपना या उसको असल युद्ध जैसी स्थितियों में उतारने से पहले, दो-तीन साल का व्यावहारिक एवं काम के दौरान अनुभव पाने हेतु प्रशिक्षित करना अनिवार्य है। हो सकता है कि कोई नया रंगरूट स्मार्टफोन चलाने में माहिर हो, लेकिन रडार, फायर-कंट्रोल सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल, एयरो-इंजन या साधारण डीजल जनरेटर कैसे काम करते हैं, यह समझने और एक कुशल 'ऑपरेटर' बनने की महारत के लिए उसे महीनों प्रशिक्षण की जरूरत होगी। ऑपरेटरों के साथ 'मेंटेनर' होते हैं, जो इन प्रणालियों की सर्विसिंग करते हैं और खराबियां ठीक करते हैं। इन्हें प्रशिक्षित होने में और ज्यादा समय लगता है। इन सबके ऊपर 'उस्ताद' होते हैं, जिनका दशकों का अनुभव होता है और ये उस्ताद अधिकारियों सहित सबको सिखाते हैं। साढ़े सत्रह साल की उम्र में भर्ती होने वाले हर सैनिक को सिखाने के लिए, सेनाओं को अनुभवी और युद्ध से तपे सूबेदार मेजर, मास्टर चीफ पेटी ऑफिसर और मास्टर वारंट ऑफिसर की जरूरत होती है, जो 54-56 साल की उम्र में रिटायर होते हैं। अगर आप इस व्यवस्था के साथ छेड़छाड़ करेंगे, तो कहीं न कहीं कीमत चुकानी ही पड़ेगी। इसका उदाहरण नौसेना में देखने को मिला, जिसने 2022 में अपना 'आर्टिफिसर कैडर' खो दिया, वह इकाई जो नौसेना के हथियार, सेंसर और मशीनरी के रखरखाव की आपूर्तिकर्ता होती है। अग्निपथ योजना के तहत, चार साल के कार्यकाल में से अगर बुनियादी प्रशिक्षण, वार्षिक छुट्टी और सेवामुक्त होने से पहले की अवधि घटा दें, तो एक सैनिक की वास्तविक उपलब्धता लगभग तीन साल ही बचती है। इससे कुछ परेशानीकारक सवाल उठते हैं: क्या सेना ऐसे व्यक्ति को तकनीकी स्किल सिखाने में निवेश करना चाहेगी, जिसकी नौकरी जल्द ही खत्म होने वाली हो? क्या अग्निवीर खुद भी इन कौशलों को सीखने में दिलचस्पी लेगा, जब उसका आगे बने रहना ही पक्का न हो? योजना के तथाकथित लाभ दोनों ही पक्षों के लिए गलत दिशा की ओर इंगित करते हैं। चाहे यह विचार सेना मुख्यालय से आया हो या रक्षा मंत्रालय ने थोपा हो, इतने बड़े बदलाव को पहले एक 'पायलट प्रोजेक्ट' के रूप में आजमाना चाहिए था—यानी इसे किसी एक या अधिक सैन्य यूनिटों में प्रयोग किया जाता, या बेहतर होगा कि 'टेरिटोरियल आर्मी' में लागू कर देखा जाता और फिर परिणामों का विश्लेषण किया जाता। इसके बजाय, पूरी सशस्त्र सेना पर अचानक इस जोखिम भरे प्रयोग को लाद दिया गया। हालांकि सरकार लगातार यह कहती रही है कि इसके पीछे कोई वित्तीय मकसद नहीं, लेकिन लगभग तय है कि अग्निवीर योजना रक्षा मंत्रालय के बढ़ते 'कार्मिक खर्चे' को नियंत्रित करने से चालित है, क्योंकि सब खर्चों के बाद, हथियारों और उपकरणों की खरीद के लिए उपलब्ध फंड में कमी आ जाती है। तथापि, पेंशन खर्च मद में बचत किए जाने की एवज में रक्षा क्षमताओं से समझौता करना बहुत बुरा सौदा है। अगर बचत इसका मुख्य उद्देश्य नहीं था, तब तो इस योजना का सबसे ठोस आधार ही खत्म हो जाता है। केंद्र सरकार की पेंशन प्रणाली के लाभार्थी केवल पूर्व सैनिक ही नहीं हैं।



आप का | नजरीया

एक नया महाभारत लिखा

हिमाचल के चौथे साल की सत्ता और चौथे साल के विपक्ष के बीच एक ऐसा मुकाम देखा जा रहा है, जहां जनता चौकन्नी और सरकार दरियादिल हो रही है। सरकार ने मंत्रिमंडल की हालिया बैठक में खुद को साबित करने का पैगाम दिया है, तो शीतकालीन सत्र में दोनों पक्षों के बीच पैमाइश का नया दौर जारी है। चार साल की सरकार का जश्न इस बार हमीरपुर में अपनी शक्ति और अपने सामथ्र्य का प्रदर्शन करेगा, तो यह चुनाव की पटकथा सरीखा होगा। बहरहाल चार साल में मंत्रिमंडल की सबसे ताकतवर घोषणा अब सामने आई है, जब हिमाचल सरकार अपनी सुखी परिवार योजना का शंखनाद कर रही है। इसके तहत 18 से 59 वर्ष की आयु की 3.50 लाख महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपए की राशि प्राप्त होगी। चुनावी अनुदान का फलक कांग्रेस की गारंटियों को शोहरत दे रहा है, तो पात्र परिवारों को प्रतिमाह तीन सौ यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध होगी। जाहिर है ऐसी घोषणाओं पर अमल की तकरीर लिख कर सुक्खू सरकार ने अपने सारे दस्तावेज खोल दिए हैं। साढ़े तीन लाख महिलाओं की साधना में प्रति माह 1500 रुपए की गारंटी का कुछ तो ऐसा असर होगा जो विपक्ष के गणित में अड़चन डाल सकता है। इसी तरह तीन सौ यूनिट मुफ्त बिजली का अपना अलग संसार और सियासी सरोकार देखा जाएगा। हिमाचल के लाभान्वित तीन लाख परिवारों या साढ़े तीन लाख महिलाओं का चुनावी शृंगार अब तक की चुनावी रणनीति का एक नया मंत्र है। जनता आम मतदाता की हैसियत से सोचती है या लाभान्वित समुदाय की जिरह में व्यवहार करती है, यह देखना होगा। मंत्रिमंडल की बैठक रोजगार के दरवाजे से 2376 पद खोल रही है। परिवहन क्षेत्र में स्वरोजगार की कलम से सरकार सब्सिडी की गारंटी बढ़ा रही है, तो राजीव गांधी स्टार्टअप योजना के तहत रूट चिन्हित हो रहे हैं। डीजल बसों की खरीद पर सब्सिडी तीस से बढ़ा कर चालीस प्रतिशत, तो इलेक्ट्रिक बस खरीद पर चालीस से बढ़ा कर अब सब्सिडी 50 प्रतिशत होगी। सेब और अदरक का खरीद समर्थन मूल्य बढ़ाया जा रहा है। फैसलों के नक्शे पर पुनः कई क्षेत्र बुलंद हुए हैं, तो नए संकल्पों की राह पर मसौदे तय हो रहे हैं। कुल मिला कर सरकार की प्राथमिकताएं अब अपने रिपोर्ट कार्ड पर खुद ही हस्ताक्षर कर रही हैं। सामाजिक तौर पर हिमाचल की राजनीतिक जागरूकता का परचम अगले चुनाव से क्या चाहता है या अपना कौन सा रंग दिखाना चाहता है, यह तय करने के लिए कुछ हद तक शीतकालीन सत्र भी प्रयासरत रहेगा। विपक्ष भी इसके माध्यम से अपने होने के सबूत और संकल्प से बताना चाहेगा कि चांदनी अब किसकी तरफ है। कुल मिला कर तपोवन परिसर में शीतकालीन सत्र की अंतिम मुलाकात के जरिए तापमान इतना तो बढ़ सकता है कि सत्ता के हवाले हीले लगें। दूसरी ओर सरकार अपने तौर पर लोकतांत्रिक जवाबदेही, वित्तीय कुशलता, विजन की पेशकश, प्रशासनिक पहल और व्यवस्था परिवर्तन के तकाजे पर अपनी इच्छा शक्ति का हवाला देगी। बुलंद होने की फरमाइश में, समाज का मूल्यांकन होगा, तेरी बाहों में सत्ता का बल, हमारी निगाहों में आने वाला पल होगा। प्रदेश के सियासी मॉडल में सुक्खू सरकार के नए प्रयोग तथा व्यवस्था परिवर्तन के मजमून अगर कुछ कहेंगे, तो कहने को विपक्ष के पास कई असंतुलन, ब्यौरे और नागरिक अपेक्षाओं के चि_ होंगे। बहरहाल, राजनीति अब इतनी भी आसान नहीं कि चुनाव के मुहाने पर महज अदला-बदली की हवा चल जाए, लेकिन इतनी भी नासमझ नहीं कि कारवां यूं ही गुजर जाए। अब सत्ता बनाम विपक्षी द्वंद्व के साथ-साथ जनता के अपने विषय, बेरोजगारी के सफे, कानून-व्यवस्था के लम्हे और केंद्र बनाम राज्य के बीच कहां अधिकार फंसे, इस पर भी महाभारत लिखा जाएगा।

सरकार ने मंत्रिमंडल की हालिया बैठक में खुद को साबित करने का पैगाम दिया है, तो शीतकालीन सत्र में दोनों पक्षों के बीच पैमाइश का नया दौर जारी है। चार साल की सरकार का जश्न इस बार हमीरपुर में अपनी शक्ति और अपने सामथ्र्य का प्रदर्शन करेगा, तो यह चुनाव की पटकथा सरीखा होगा। बहरहाल चार साल में मंत्रिमंडल की सबसे ताकतवर घोषणा अब सामने आई है, जब हिमाचल सरकार अपनी सुखी परिवार योजना का शंखनाद कर रही है। इसके तहत 18 से 59 वर्ष की आयु की 3 .50 लाख महिलाओं को प्रति माह 1500 रुपए की राशि प्राप्त होगी। चुनावी अनुदान का फलक कांग्रेस की गारंटियों को शोहरत दे रहा है, तो पात्र परिवारों को प्रतिमाह तीन सौ यूनिट मुफ्त बिजली का अपना अलग संसार और सियासी सरोकार देखा जाएगा। हिमाचल के लाभान्वित तीन लाख परिवारों या साढ़े तीन लाख महिलाओं का चुनावी शृंगार अब तक की चुनावी रणनीति का एक नया मंत्र है। जनता आम मतदाता की हैसियत से सोचती है या लाभान्वित समुदाय की जिरह में व्यवहार करती है, यह देखना होगा। मंत्रिमंडल की बैठक रोजगार के दरवाजे से 2376 पद खोल रही है।

कुछ | अलग

ताला, चाबी और अविश्वास

कॉकरोचों की सभा देर तक निःशब्द बैठी रही। क्योंकि अब सब समझने लगे थे कि मनुष्य की हर नई खोज केवल सुविधा नहीं लाती। वह अपने साथ एक नया प्रश्न भी लेकर आती है और अनगिन समस्याएं भी। उधर समय चुपचाप आगे बढ़ता रहा। दीवार खड़ी थी। दरवाजा बन चुका था। और इतिहास...पहली बार यह सोच रहा था कि सभ्यताएं दीवारों से कम, उनके बीच छोड़े गए रास्तों से अधिक पहचानी जाएंगी। क्योंकि जहां प्रवेश का अधिकार जन्म लेता है, वहीं से बहिष्कार का इतिहास भी आरंभ हो जाता है। समय आगे बढ़ता रहा। दरवाजा बन चुका था। कुछ समय तक वह केवल आने-जाने का मार्ग बना रहा। मनुष्य निश्चिंत था। उसे लगता था कि उसने समस्या का समाधान खोज लिया है। किन्तु समाधान अधिक दिन अकेला नहीं रहता। एक दिन किसी ने बिना पूछे भीतर प्रवेश कर लिया। उस दिन मनुष्य ने पहली बार पीछे मुड़कर अपने ही दरवाजे को संदेह की दृष्टि से देखा।

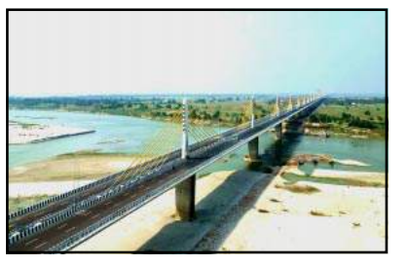
दृष्टि | कोण

किसानों को प्रत्यक्ष सबसिडी देने की दरकार

भारत में कृषि सबसिडी के कई प्रकारों में से एक महत्वपूर्ण प्रकार, इनपुट सबसिडी है। इनपुट सबसिडी में, उर्वरक सबसिडी सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है। गौरतलब है कि वर्ष 2025-26 के संशोधित अनुमानों के अनुसार कुल कृषि सबसिडी 414614 करोड रुपए रही, जिसमें उर्वरक सबसिडी 186460 करोड रुपए रही। उर्वरक सबसिडी में अधिकांश न्यूट्रीएंट आधारित सबसिडी है और एक अन्य प्रकार यूरिया सबसिडी है। इस वर्ष खरीफ मौसम के लिए न्यूट्रीएंट आधारित सबसिडी के लिए 41533.81 करोड रुपए का प्रावधान केंद्रीय कैबिनेट ने किया, जो कि पिछले खरीफ मौसम (2025) में 37216.15 करोड रुपए से 4317.66 करोड़ रुपए अधिक था। रबी के मौसम के लिए न्यूट्रीएंट आधारित सबसिडी की घोषणा अभी बाकी है। वर्ष 2026-27 के लिए यूरिया सबसिडी के लिए 116799 करोड़ रुपए का अलग से प्रावधान किया गया है। पहले तो उर्वरक सबसिडी देने का तरीका भिन्न था, लेकिन वर्ष 2010 में इसे न्यूट्रिएंट आधारित कर दिया गया था, जिसके अनुसार चार पोषक तत्वों- नाईट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश और सल्फर, के आधार पर सबसिडी निर्धारित करना शुरू किया गया। ऐसा समझा गया कि न्यूट्रिएंट आधारित सबसिडी देने से उर्वरकों का संतुलित उपयोग होगा, मृदा यानी मिट्टी की सेहत बेहतर होगी और घरेलू उर्वरकों का उपयोग बढ़ेगा। लेकिन देखा गया कि उसके बावजूद कंपनियों के माध्यम से उर्वरक सबसिडी बदस्तूर जारी रही, आयातों पर निर्भरता बढ़ती रही और घरेलू उर्वरकों का उपयोग नहीं बढ़ पाया। लेकिन 2010 से पहले भी और 2010 में न्यूट्रिएंट आधारित सबसिडी देने के बाद भी सबसिडी सीधे किसानों को नहीं, बल्कि कंपनियों को दी जाती रही है। कंपनियों को सबसिडी उनके द्वारा बिक्री किए गए उर्वरकों के आधार पर दी जाती है। किसानों की हमेशा शिकायत रहती है कि कंपनियों को दी जाने वाली उर्वरक सबसिडी से लाभ किसानों को कम और कंपनियों को ज्यादा होता है। उर्वरक कंपनियां चाहे सहकारी क्षेत्र में हों, सरकारी हों अथवा निजी क्षेत्र में, सभी के लाभ ऊंचे बने हुए हैं और किसानों की मुश्किलें लगातार बरकरार हैं। उसको समय पर उर्वरक नहीं मिलते हैं और अन्यान्य कारणों से उसकी लागत तो लगातार बढ़ ही रही है, उसके लाभ कम होते जा रहे हैं और ऐसा माना जा रहा है कि कृषि लाभ का सौदा नहीं रही। लंबे समय से किसानों की मांग रही है कि उर्वरक सबसिडी सीधे किसानों को मिलनी चाहिए, न कि कंपनियों के माध्यम से। लेकिन ऐसा अभी तक नहीं हो सका। पूर्व में सभी प्रकार की सबसिडी व्यावहारिक कारणों से अप्रत्यक्ष रूप से मिलती थी और बिचैलियों के कारण लाभार्थी को उनका पूरा लाभ नहीं मिल पाता था। लेकिन आज तकनीकी विकास से यह संभव हो सका है कि विभिन्न प्रकार की सबसिडी सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में पह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 नवंबर को करेंगे *नीतीश सेतु* का लोकार्पण

पटना (हिंस)। बिहार की आधारभूत संरचना को मजबूती देने वाली महत्वाकांक्षी कच्ची दरगाह-बिदुपुर छह लेन गंगा पुल परियोजना पूरी हो गई है। अब यह पुल *नीतीश सेतु* के नाम से जाना जाएगा। आगामी 21 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पुल का लोकार्पण कर इसे राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस परियोजना से उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच आवागमन सुगम होने के साथ राज्य की आर्थिक और व्यावसायिक गतिविधियों को भी नई गति मिलने की उम्मीद है। गंगा नदी पर निर्मित यह छह लेन पुल आधुनिक इंजीनियरिंग का महत्वपूर्ण उदाहरण है। इसके शुरू होने से पटना और वैशाली के बिदुपुर के बीच सीधा संपर्क मजबूत होगा। साथ ही उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच दशकों से चली आ रही आवागमन संबंधी चुनौतियों को दूर करने में मदद मिलेगी। महात्मा गांधी सेतु पर यातायात का दबाव भी कम होने की उम्मीद है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की परिकल्पना वर्ष 2012 में राज्य की तत्कालीन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने की थी। उसी वर्ष सितंबर में आधारभूत संरचना



विकास प्राधिकार (आईडीए) ने इसे सैद्धांतिक मंजूरी दी। इसके बाद फरवरी 2013 में ट्रांजैक्शन एडवाइजर की नियुक्ति की गई और कार्यकारी एजेंसी बिहार राज्य सड़क विकास निगम लिमिटेड (बीएसआरडीसीएल) को परियोजना की व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया। जून 2013 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समक्ष पुल के एलाइनमेंट का प्रस्तुतीकरण किया गया। अगस्त 2014 में केंद्र की राजग सरकार ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से ऋण सहायता की सिफारिश की। इसके बाद दिसंबर 2014 में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने परियोजना के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी किया। मार्च 2015 में मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में निर्माण कार्य को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। जुलाई 2015 में राज्य सरकार से प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद अंतरराष्ट्रीय निविदा आमंत्रित की गई और निर्माण एजेंसी के साथ अनुबंध कर परियोजना का काम शुरू हुआ। इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) पद्धति से तैयार इस छह लेन पुल परियोजना पर कुल 5, 571.69 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इसमें एशियाई विकास बैंक ने 3, 472.15 करोड़ रुपए की ऋण सहायता दी, जबकि बिहार सरकार ने 2, 099.54 करोड़ रुपए का योगदान किया। परियोजना में केंद्र और राज्य के बीच वित्तीय एवं प्रशासनिक समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पुल के चालू होने से राजधानी पटना और वैशाली के बीच यात्रा आसान होगी। इससे यात्रियों के समय और ईंधन की बचत होगी तथा उत्तर बिहार के विभिन्न जिलों से पटना पहुंचना अधिक सुविधाजनक हो जाएगा। परिवहन व्यवस्था में सुधार का सीधा लाभ कृषि उत्पादों की ढुलाई को भी मिलेगा। उत्तर

उत्तर प्रदेश चुनाव में राजस्थान भाजपा की महिला नेता संभालेंगी मोर्चा



जयपुर (हिंस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच राजस्थान भाजपा ने अपनी महिला नेताओं को चुनावी मैदान में उतारने की रणनीति बनाई है। इसके तहत राजस्थान भाजपा महिला मोर्चा की 50 से अधिक महिला नेता उत्तर प्रदेश में चुनावी मोर्चा संभालेंगी। पहले चरण में महिला नेताओं की टोली 19 नवंबर को जयपुर से रवाना होगी और 20 नवंबर की सुबह उत्तर प्रदेश पहुंचेगी। वहां सात दिन के प्रवास और प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद चुनाव कार्यक्रम घोषित होने पर इन्हें अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में करीब तीन सप्ताह तक जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ और प्रदेश मंत्री सरिता गेना इस प्रवास कार्यक्रम की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। राखी राठौड़ ने बताया कि राजस्थान की महिला नेता उत्तर प्रदेश में स्थानीय संगठन के साथ समन्वय बनाकर काम करेंगी। पहले चरण में भेजी जा रही टोली में पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व महापौर, पूर्व सभापति, प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और महिला मोर्चा की विभिन्न इकाइयों से जुड़ी नेता शामिल हैं। राजनीतिक अनुभव और संगठनात्मक जिम्मेदारी निभा चुकी महिलाओं को इस टीम में स्थान दिया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पहुंचने के बाद महिला नेताओं को वहां के राजनीतिक और सामाजिक माहौल, चुनावी रणनीति तथा संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी दी जाएगी। प्रशिक्षण के बाद इन्हें अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। चुनाव कार्यक्रम जारी होने पर ये नेता करीब तीन सप्ताह तक संबंधित क्षेत्रों में प्रवास कर सक्रिय रहेंगी। इस प्रवास का प्रमुख उद्देश्य स्थानीय महिला मतदाताओं तक पहुंच बनाना, महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर संवाद करना और भाजपा की नीतियों तथा उत्तर प्रदेश सरकार के कामकाज की जानकारी लोगों तक पहुंचाना रहेगा। इसके साथ ही स्थानीय महिला कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और संगठन के नेटवर्क के माध्यम से घर-घर तक संपर्क स्थापित करने पर भी जोर दिया जाएगा। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान की महिला नेताओं की टीम उत्तर प्रदेश में स्थानीय संगठन के साथ मिलकर चुनावी रणनीति के क्रियान्वयन में भूमिका निभाएगी। महिला मतदाताओं से संवाद, सरकार के कामकाज की जानकारी और जनसंपर्क अभियान उनकी प्राथमिकता रहेंगे। पहले चरण के बाद जरूरत और चुनावी कार्यक्रम के अनुसार पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर राजस्थान से अन्य महिला कार्यकर्ताओं को भी भेजा जा सकता है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेला 19 को

जोधपुर (हिंस)। भारत सरकार के कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार मेले का आयोजन 19 नवंबर को शास्त्री सर्किल के समीप स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) जोधपुर में किया जाएगा। रोजगार मेला सुबह 10.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगा। संस्थान के उपनिदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. जगदीश प्रसाद ने बताया कि मेले का उद्देश्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों के बीच प्रभावी मंच उपलब्ध कराना है, ताकि आईटीआई उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने बताया कि मेले में जोधपुर जिले के विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों के साथ विद्युत विभाग, रोजगार कार्यालय, जिला उद्योग केन्द्र, ऑटो व्यवसाय, राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, भारत संचार निगम लिमिटेड, सरस डेयरी, एम्स, होटल व्यवसाय तथा भारत एवं राज्य सरकार के विभिन्न उपक्रमों के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

डेराबस्सी के किसान की चमकी किस्मत, 500 रुपए के लॉटरी टिकट से जीते 12 करोड़ रुपए

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मोहाली जिले के डेराबस्सी क्षेत्र में एक छोटे किसान की किस्मत रातोंरात बदल गई। डेराबस्सी के गांव हुमायूंपुर निवासी 45 वर्षीय किसान बलजिंदर सिंह ने पंजाब स्टेट डियर दिवाली बंपर लॉटरी 2026 में 12 करोड़ रुपए का पहला इनाम जीता है। उन्होंने महज 500 रुपए में यह लॉटरी का टिकट खरीदा था। बलजिंदर सिंह ने बताया कि उन्होंने दिवाली से पहले हंडेसरा में एक लॉटरी विक्रेता से 500 रुपए का टिकट खरीदा था। सोमवार रात करीब 11 बजे उन्हें पता चला कि उनके लॉटरी टिकट पर 12 करोड़ रुपए का इनाम निकला है। बलजिंदर सिंह ने बताया कि वह एक छोटे किसान हैं और खेतीबाड़ी करके अपने परिवार का गुजारा करते हैं। वह वर्ष 2010 से लगातार लॉटरी टिकट खरीद रहे थे, लेकिन इससे



पहले उन्हें इतनी बड़ी सफलता नहीं मिली थी। दो बच्चों के पिता बलजिंदर सिंह ने बताया कि इतनी बड़ी रकम जीतने की खबर उनके लिए किसी सपने से कम नहीं है। उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि इनाम में मिलने वाली राशि का इस्तेमाल किस तरह करेंगे। लॉटरी जीतने के बाद बलजिंदर सिंह अपने दोस्तों के साथ जीरकपुर में इनाम की राशि प्राप्त करने के लिए जरूरी दस्तावेजी औपचारिकताएं पूरी कर रहे हैं। पंजाब स्टेट डियर दिवाली बंपर लॉटरी 2026 के लिए कुल 36 लाख टिकट छापे और बेचे गए थे। ये टिकट मेष से मीन तक 12 राशियों के नाम पर अलग-अलग श्रृंखलाओं में जारी किए गए थे। टिकटों के नंबर 7, 00, 000 से 9, 99, 999 के बीच रखे गए थे।

पंजाब के कृषि क्षेत्र को केंद्र सरकार ने दिया 352.64 करोड़ रुपए का पैकेज

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सात नई परियोजनाओं को दी मंजूरी

मोहाली (हिंस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब के कृषि क्षेत्र के विकास के लिए 352.64 करोड़ रुपए के वित्तीय पैकेज की घोषणा की है। इसमें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 254.20 करोड़ रुपए और 98.44 करोड़ रुपए की सात नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। मोहाली जिले के गांव बड़ापुर में आयोजित *खेत बचाओ अभियान* कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां को स्वीकृति पत्र सौंपा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर केंद्र और राज्य सरकारों को किसानों के कल्याण के लिए मिलकर काम करना चाहिए। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकारें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन किसानों की सेवा करना सभी की साझा जिम्मेदारी है। स्वीकृत राशि से कृषि उत्पादन



बढ़ाने, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और प्रदेश के कृषि विकास को गति देने में मदद मिलेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने खाद की कालाबाजारी और किसानों को जबरन अन्य उत्पाद बेचने के मामलों पर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि खाद की कालाबाजारी करने और अनधिकृत रूप से दूसरे उत्पादों की खरीद के लिए मजबूर करने वाले विक्रेताओं को जेल भेजा जाएगा।उन्होंने कहा कि सरकार महंगी दरों पर खाद आयात करके किसानों को भारी अनुदान पर उपलब्ध कराती है। ऐसे में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि नकली बीज, घटिया कीटनाशकों और फर्जी खाद की बिक्री रोकने के लिए केंद्र सरकार नया सख्त कानून लाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए देशभर के किसानों और कृषि विशेषज्ञों से सुझाव लिए जा रहे हैं। शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि रासायनिक खाद पर निर्भरता कम करने के लिए देशभर में 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में हरित अमोनिया का परीक्षण शुरू किया गया है। उन्होंने अपने दौरे के दौरान इस तकनीक का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी देखा। उन्होंने किसानों से अपील की कि यूरिया और डीएपी का अत्यधिक इस्तेमाल करने के बजाय मिट्टी की जांच करवाकर जरूरत के अनुसार ही खाद का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अवैज्ञानिक इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने पंजाब के किसानों को गेहूं और धान के पारंपरिक फसल चक्र से बाहर निकलकर कृषि विविधीकरण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि छोटे और सीमांत किसान खेती के साथ बागवानी, डेयरी, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, मशरूम उत्पादन और मधुमक्खी पालन जैसे व्यवसाय अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि आगामी केंद्रीय बजट में एकीकृत खेती से जुड़ी अधिक परियोजनाओं को शामिल करने की योजना है, ताकि किसानों को वर्षभर आय के अतिरिक्त साधन उपलब्ध हो सकें। शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में कमी लाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से किसान भूपिंदर सिंह की प्रशंसा की, जो पराली जलाने के बजाय फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाकर उसका उपयोग कर रहे हैं।

अंतिम मतदाता सूची में पीडीए के वोट काटने की हो रही साजिश : अखिलेश यादव

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मतदाता सूची को लेकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर से सवाल उठाए हैं। उन्होंने मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की आशंका



जताई है। उन्होंने कथित रुप से आरोप लगाया कि मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के समय राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराई जाने वाली सूची और मतदान केंद्रों पर पीठासीन अधिकारियों के पास मौजूद सूची में अंतर हो सकता है। इसके जरिए पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के मतदाताओं के नाम काटने की साजिश की जा सकती है। अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस मामले में सभी को सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि *साजिश और षड्यंत्र से हमें सावधान रहना पड़ेगा, क्योंकि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर कई बार सवाल खड़े हुए हैं*। उन्होंने आशंका जताई कि जब अंतिम मतदाता सूची सामने आएगी, तब राजनीतिक दलों को मिली सूची और पीठासीन अधिकारियों के पास उपलब्ध सूची में अंतर देखने को मिल सकता है। उनके मुताबिक, इसके जरिए बड़े पैमाने पर पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग के वोट काटे जा सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस बयान पर भी सपा अध्यक्ष ने प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने एक करोड़ 27 लाख हिंदू मतदाताओं के नाम कटने की बात कही थी। अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री को किस दिव्य शक्ति से यह जानकारी मिली कि इतने हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हट गए हैं। अखिलेश यादव ने आजम खान से जुड़े सवाल पर कहा कि उन्हें न्याय मिलेगा।

जदयू ने राष्ट्रीय संगठन में किया बड़ा फेरबदल, पूर्व सांसद चंदेश्वर चंद्रवंशी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, आफाक अहमद खान बने महासचिव

पटना (हिंस)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने अपने राष्ट्रीय संगठन को मजबूत और अधिक सक्रिय बनाने के उद्देश्य से संगठनात्मक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। पार्टी ने मंगलवार को नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों, विभिन्न राज्यों के प्रभारियों और सह-प्रभारियों की सूची जारी की। इसके तहत अफाक अहमद खान राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। जबकि चंदेश्वर चंद्रवंशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार को उत्तर प्रदेश में संगठन की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि पूर्व सांसद अनिल प्रसाद हेगड़े को पूर्वोत्तर राज्यों का सह-प्रभारी बनाया गया है। राष्ट्रीय महासचिवों में विधायक श्याम रजक को महाराष्ट्र, विधायक रामसेवक सिंह को झारखंड और पूर्व विधायक रमेश सिंह कुशवाहा को उत्तर प्रदेश का सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। पूर्व सांसद कंवरदीप कौर को महिला विंग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, पूर्व विधायक सुनील कुमार को दिल्ली और पूर्व सांसद मौलाना गुलाम रसूल बलियावी को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रभारी बनाया गया है। राज सिंह मान को हरियाणा, मनीष कुमार वर्मा को ओडिशा और हरविंदर सिंह को गोवा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं मीडिया प्रकोष्ठ का दायित्व राजीव रंजन प्रसाद को दिया गया है। पार्टी ने राष्ट्रीय महासचिवों के साथ राष्ट्रीय सचिवों की सूची भी जारी की है। इसके तहत रवींद्र प्रसाद सिंह को छत्तीसगढ़, विद्या सागर निषाद को मध्य प्रदेश और दयानंद राय को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। संजय कुमार को कर्नाटक, मोहम्मद निसार को पार्टी मुख्यालय एवं तमिलनाडु, शैलेंद्र कुमार को पंजाब, रूहल नागुण को असम और धर्मेंद्र तिवारी को पश्चिम बंगाल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। महिला संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से निवेदिता कुमारी को महिला प्रकोष्ठ का सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। संगठनात्मक फेरबदल के तहत शैलेंद्र कुमार को दिल्ली इकाई के अध्यक्ष पद से मुक्त कर राष्ट्रीय सचिव एवं पंजाब राज्य इकाई का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, कमलेश झा को तत्काल प्रभाव से दिल्ली इकाई का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा सुधीर बांका को मध्य प्रदेश राज्य इकाई का अध्यक्ष बनाया गया है। जदयू ने राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट के रूप में भी तीन लोगों को शामिल किया है। इनमें निखिल मंडल, विधायक कोमल सिंह और शालिनी पटेल के नाम शामिल हैं। पार्टी की ओर से जारी विज्ञप्ति में इनके संपर्क नंबर भी उपलब्ध कराए गए हैं। पार्टी के इस संगठनात्मक फेरबदल को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी राजनीतिक गतिविधियों और विभिन्न राज्यों में संगठनात्मक विस्तार को गति देने की पहल के रूप में देखा जा रहा है।

जयपुर हेरिटेज फोटो व पेंटिंग एग्जीबिशन उमड़े कला प्रेमी

जयपुर (हिंस)। जयपुर के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में ओर जयपुर 300 होने पर राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जयपुर हेरिटेज फोटो व पेंटिंग एग्जीबिशन का पांचवा सीजन रविवार को आईटीसी राजपूताना की वेलकम आर्ट गैलेरी में मंगलवार को शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी, आर ए एस सोविला माथुर, गलतापीठाधीश्वर अनन्त विभूषित स्वामी सम्पतकुमार अवधेशाचार्य महाराज, राघवेन्द्राचार्य, विनीत जैन, अनूप श्रीवास्तव ने भी एग्जीबिशन में शिरकत की।ओर सभी आर्टिस्ट के आर्ट की तारीफ की।डायरेक्टर संजय कुमावत, क्यूरेटर अदिति अग्रवाल, सोनू, श्रुति, मोहित ने सभी अतिथि का स्वागत किया। एग्जीबिशन में 100 से अधिक फोटोग्राफर ओर आर्टिस्ट ने भाग लिया। जयपुर के 300 साल होने पर जयपुर स्थापना दिवस पर बुधवार को जयपुर का सेलिब्रेशन किया जायेगा। बच्चो के साथ केक कटिंग कर सेलिब्रेशन किया जायेगा।



पूर्व महाराजा भवानी सिंह की पुरानी तस्वीरें देखी। जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर शुरू हुई यह प्रदर्शनी शहर के इतिहास, संस्कृति और हेरिटेज को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। जयपुर 300 साल के सेलिब्रेशन में 2026 से 2027 पूरे साल कला संस्कृति सभी लोगों तक पहुंचाया जाएगा। इस प्रदर्शनी में शहरवासी पुराने और नए जयपुर की तस्वीरों को निहार सकेंगे। तस्वीरों में जयपुर के हेरिटेज मॉन्यूमेंट, वॉल सिटी, मंदिर, फेस्टिवल, शहर की पुरानी गलियों के साथ ही कल्चर की बेहद खूबसूरत तस्वीरें देखने को मिलेगी। फेस्टिवल की संरक्षक रेणुका कुमावत ने बताया कि जयपुर स्थापना दिवस पर जयपुर के कल्चर को सभी तक पहुंचाना और दिखाना ही इस एग्जीबिशन का उद्देश्य है। जयपुर की खूबसूरत सुंदर तस्वीरों के जरिए दिखाया जाए और यहां के पर्यटन को प्रमोट किया जाए।

भारतीय सेना ने नागालैंड के विद्यार्थियों के लिए जयपुर में किया राष्ट्रीय एकता यात्रा का आयोजन

जयपुर (हिंस)। राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने तथा युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत भारतीय सेना ने ऑपरेशन सद्भावना के अंतर्गत नागालैंड के विद्यार्थियों के लिए जयपुर में राष्ट्रीय एकता यात्रा का आयोजन किया है। जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) ले कर्नल निखिल धवन के अनुसार इस यात्रा का उद्देश्य देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र के विद्यार्थियों को राजस्थान की राजधानी जयपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों एवं जीवंत परंपराओं से परिचित कराना है। साथ ही, यह यात्रा विद्यार्थियों को विभिन्न सांस्कृतिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि के लोगों से संवाद स्थापित करने का अवसर प्रदान करती है, जिससे वे भारत की विविधता में एकता की भावना को अनुभव कर सकें, देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझ सकें तथा उनमें राष्ट्रीय गौरव एवं अपनेपन की भावना और अधिक सुदृढ़ हो सके। इस 22 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में 13 विद्यार्थी, दो शिक्षक तथा सात अन्य सहयोगी सदस्य शामिल हैं। यात्रा के दौरान सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा ने नागालैंड से आए विद्यार्थियों के साथ संवाद किया तथा उनके अनुभवों एवं भविष्य की आकांक्षाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यार्थियों को इस



यात्रा से प्राप्त अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने, समर्पण एवं लगन के साथ शिक्षा प्राप्त करने तथा अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रेरित किया। आर्मी कमांडर ने राष्ट्रीय एकता, विविधता में एकता एवं आपसी समझ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। यह संवाद विद्यार्थियों के लिए वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व से सीधे बातचीत करने, उनके अनुभवों से सीखने तथा बहुमूल्य मार्गदर्शन एवं प्रेरणा प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर रहा। जयपुर प्रवास के दौरान विद्यार्थी शहर के प्रमुख ऐतिहासिक स्मारकों एवं सांस्कृतिक स्थलों की

गो संरक्षण के लिए संतों ने भरी हुंकार : घर-घर ज्ञापन और हस्ताक्षर अभियान चलाने का निर्णय

जयपुर (हिंस)। गो रक्षा सम्मान आवाहन अभियान के अंतर्गत ढहर का बालाजी स्थित सिया राम बाबा की बगीची में विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न स्थानों से आए संत-महात्माओं ने भारतीय संस्कृति में गाय के महत्व, गो माता के सम्मान और गो संरक्षण की आवश्यकता पर विचार व्यक्त किए। संतों ने गो रक्षा के लिए जनजागरण अभियान को घर-घर तक पहुंचाने और समाज के प्रत्येक वर्ग को इससे जोड़ने का संकल्प लिया। सिया राम बाबा की बगीची पहुंचने पर ज्ञानदास जी महाराज, ब्रह्म पीठाधीश्वर रामरतन दास महाराज सहित अन्य संतों का सुरेश गोटेवाला, स्नेहा गोटेवाला, चंद्र महेश झालानी सहित गणमान्य नागरिकों और श्रद्धालुओं ने स्वागत एवं अभिनंदन किया। धर्म एवं ज्ञान सभा में अखिल भारतीय श्री पंचनिर्माणी अनी अखाड़ा के श्री महंत मुरली मनोहर दास महाराज, अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता संजय दास जी, सचिव नंदराम दास जी महाराज, महामंत्री सत्यदेव दास जी, महंत माधव दास जी, संत राजेंद्र दास महाराज, महंत महेश दास



महाराज, श्री बलराम दास महाराज और हेमंत दास सहित अनेक संत-महात्मा एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए संतों ने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति, परंपरा, कृषि और ग्रामीण जीवन का अभिन्न अंग रही है। भारतीय समाज में गाय को माता का दर्जा दिया गया है और उसकी सेवा एवं संरक्षण को पुण्य कार्य माना गया है। ऐसे में गो हत्या भारत जैसे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत वाले देश के लिए कलंक के समान है। गो माता की रक्षा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और संवेदनाओं से जुड़ा प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। संतों ने महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने भी गो हत्या रोकने और गो संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया था। संतों ने कहा कि समाज में गो माता के प्रति सम्मान और संवेदना का भाव जागृत करने के लिए व्यापक जनजागरण जरूरी है। केवल विचार-विमर्श तक सीमित रहने के बजाय प्रत्येक व्यक्ति को गो रक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। संगोष्ठी में अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई। इसके तहत घर-घर जाकर लोगों को अभियान से जोड़ने, गो रक्षा के समर्थन में ज्ञापन तैयार करवाने और हस्ताक्षर अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके माध्यम से अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित कर गो संरक्षण के पक्ष में सामूहिक जनभावना को सामने लाने का प्रयास किया जाएगा। संतों ने समाज के सभी वर्गों, युवाओं, महिलाओं और सामाजिक संगठनों से गो रक्षा अभियान में आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनजागरण, सामाजिक एकजुटता और शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रयासों से गो संरक्षण की आवाज को व्यापक स्तर तक पहुंचाया जा सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य नागरिकों और श्रद्धालुओं ने अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया।



ग्लोबल मार्केट में शुरू हुई आईफोन डूओ 2 की सेल

नई दिल्ली

दिग्गज टेक कंपनी एप्पल के पहले फोल्डेबल स्मार्टफोन की सेल पिछले महीने भारत समेत ग्लोबल मार्केट में शुरू हुई है। इस फोल्डेबल फोन के अगले माडल आईफोन डूओ 2 से जुड़ी जानकारियां सामने आने लगी हैं।

ब्लूमबर्ग के मार्क गुरमन ने दावा किया है कि एप्पल अपने नेक्स्ट जेनरेशन आईफोन डूओ पर काम कर रहा है। इसे वी 78 इंटरनल कोडनेम के साथ टेस्ट किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, एप्पल के अपकमिंग फोल्डेबल फोन में कंपनी फेस फेस आई और एक्शन बटन भी जोड़ने वाली है। इस फोल्डेबल फोन को अगले साल सितंबर में लान्च किया जा सकता है। इस एक्शन बटन को मौजूदा कैमरा कंट्रोल बटन के साथ रिप्लेस किया जा सकता है। मार्क गुरमन ने ये भी दावा किया है कि अपकमिंग फोल्डेबल फोन आईफोन डूओ 2 में कंपनी एक डेडिकेटेड टेलीफोटो कैमरा इस्तेमाल करेगी। इस डिवाइस को मौजूदा आईफोन डूओ के मुकाबले पतला और हल्का बनाया जा सकता है।

एप्पल के इंजीनियर्स पहले फोल्डेबल फोन के यूजर्स से मिले फीडबैक के आधार पर ये बदलाव करने वाला है। एप्पल के पहले फोल्डेबल फोन आईफोन डूओ को इस साल सितंबर में लान्च किया गया है। इसकी कीमत 2,99,900 रुपये से शुरू होती है। इसके फीचर्स की बात करें तो इसमें 7.6 इंच का सुपर रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले दिया गया है। इसके अलावा फोन में 5.4 इंच का कवर डिस्प्ले मिलता है। फोन का डिस्प्ले 120एचझेड रिफ्रेश रेट और 3000 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट करता है।

एप्पल के पहले फोल्डेबल आईफोन के डिस्प्ले की प्रोटेक्शन के लिए सिरैमिक शील्ड दिया गया है। यह फोल्डेबल फोन भी आईफोन 18 प्रो सीरीज की तरह ही नए ए20 प्रो चिप के साथ आता है, जो 2एनएम टेक्नोलाजी पर काम करता है।

इसे 256जीबी से लेकर 2टीबी स्टोरेज वेरिएंट्स में पेश किया गया है। आईफोन डूओ के बैक में डुअल कैमरा सेटअप मिलता है। इसमें 48एमपी का फ्यूजन कैमरा दिया गया है। इसके अलावा एक 48एमपी का टेलीफोटो कैमरा मिलेगा, जो 2गुणा आप्टिकल जूम को सपोर्ट करता है। सेल्फी और वीडियो कालिंग के लिए इसमें 12एमपी का सेंटर स्टेज कैमरा दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

केंद्र ने डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाया, नई दरें लागू



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल गेन्स टैक्स) फिर बढ़ा दिया है। हालांकि, पेट्रोल पर यह शुल्क शून्य ही रखा गया है। नई दरें तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। पश्चिम एशिया संकट के बीच घरेलू स्तर पर ईंधन की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए अप्रत्याशित लाभ कर लगाया गया था। वित्त मंत्रालय ने 16 नवंबर की देररात जारी अधिसूचना में बताया कि सरकार ने 16 नवंबर से शुरू हुए पखवाड़े के लिए डीजल और एटीएफ के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ा दिया है, जबकि पेट्रोल पर यह शुल्क शून्य रखा गया है। अधिसूचना के मुताबिक विमान ईंधन के निर्यात पर विंडफॉल शुल्क बढ़ाकर 12.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जो इससे पिछले पखवाड़े के लिए 11 रुपये प्रति लीटर था। इसी तरह डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) और सड़क एवं बुनियादी ढांचा उपकर की दर अब बढ़ाकर 14 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है, जो पहले 11.5 रुपये प्रति लीटर थी। वहीं, पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क शून्य ही रखा गया है। मंत्रालय ने जारी अधिसूचना में कहा कि शुल्क में ये बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू होंगे।

हरित उड़ान को बढ़ावा, सरकार जल्द जारी करेगी सतत विमानन ईंधन नीति का मसौदा



नई दिल्ली। नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को घोषणा की कि सरकार एक-दो सप्ताह के भीतर सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) नीति का मसौदा जनता की टिप्पणियों के लिए जारी करेगी। यह कदम देश में हरित विमानन को बढ़ावा देने और आर्थिक अवसरों को खोलने की दिशा में महत्वपूर्ण है। उद्योग संगठन फिक्की और नागर विमानन मंत्रालय द्वारा आयोजित इंडिया सस्टेनेबल एविएशन समिट में बोलते हुए मंत्री नायडू ने बताया कि एसएएफ देश के लिए बड़े आर्थिक अवसर पैदा करता है। उन्होंने अनुमान लगाया कि भारत में 2040 तक सालाना करीब एक करोड़ टन एसएएफ का उत्पादन करने की क्षमता है, जिसके लिए 70-85 अरब डालर (लगभग 5.8 से 7.1 लाख करोड़ रुपये) के भारी निवेश की आवश्यकता होगी। एसएएफ के इस्तेमाल से देश का ईंधन आयात बिल काफी कम हो सकता है, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। मंत्रालय के मसौदा नीति में केवल देश में उत्पादित एसएएफ को विमान ईंधन (एटीएफ) में मिलाने को अनिवार्य करने का प्रस्ताव है।

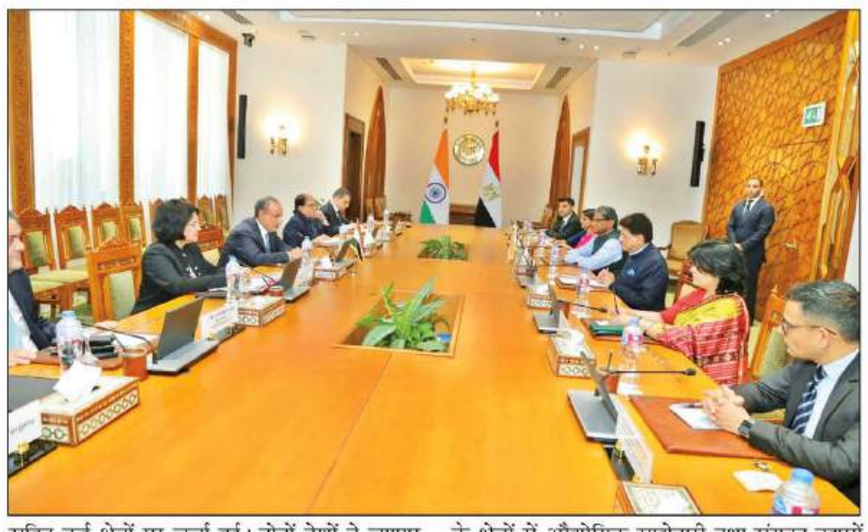
रिमोट वर्कर के 60,000 रुपये के खर्चों ने चौंकाया, युवती खुद हैरान, रिमोट कार्पोरेट वर्कर के साथ कंटेंट क्रिएटर और फ्रीलांसर भी है युवती



नई दिल्ली। घर से काम करने की सुविधा और लचीलापन कई युवाओं को अपनी ओर खींचता है, लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि आपके खर्चे भी कम हो जाएंगे सोशल मीडिया पर एक 25 वर्षीय रिमोट वर्कर युवती ने अक्टूबर महीने के अपने खर्चों का ब्यौरा साझा किया है, जिसने उसे खुद भी हैरान कर दिया। उसके खर्चों का आंकड़ा 60,282 रुपये तक पहुंच गया, जबकि उसे 40-45 हजार रुपये खर्च होने का अनुमान था। युवती, जो एक रिमोट कार्पोरेट वर्कर होने के साथ-साथ कंटेंट क्रिएटर और फ्रीलांसर भी है, ने अपने वीडियो में अक्टूबर के खर्चों का पूरा हिसाब दिया। खर्चों में सबसे बड़ा हिस्सा इंस्टामार्ट पर 14,307 रुपये का था, जिसमें ओट्स, चिकन ब्रेस्ट और ग्रीक योगर्ट जैसी चीजें शामिल थीं। घर के खर्चों में योगदान के तौर पर उसने 15,000 रुपये दिए, जिसमें राशन, घरेलू सहायिका आदि शामिल थे। बाहर से खाना मंगाने और रेस्टोरेंट में खाने पर 5,600 रुपये, जबकि वाई-फाई, बिजली और मोबाइल बिल पर 1,841 रुपये खर्च हुए। परिवहन (रैपिडो, बाइक, पेट्रोल) पर 3,978 रुपये और खुद व मां के लिए शापिंग पर 7,255 रुपये खर्च किए गए। सब्सक्रिप्शन, किचन का सामान और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स पर कुल 12,301 रुपये का खर्च आया।

भारत-मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार 12 अरब डालर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा, निवेश और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति

नई दिल्ली



भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को 12 अरब अमेरिकी डालर तक पहुंचाने, निवेश बढ़ाने और औद्योगिक सहयोग मजबूत करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने पारस्परिक लाभ के लिए तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए), मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) या व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) की संभावनाओं पर विचार करने के लिए एक कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की 15 और 16 नवंबर को मिस्र यात्रा के दौरान यह सहमति बनी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, गोयल की यह किसी अफ्रीकी देश की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी। इस दौरान उन्होंने भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति की सातवीं बैठक की सह-अध्यक्षता की और दोनों देशों के कारोबारी प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न बैठकों में हिस्सा लिया। उन्होंने मिस्र के प्रधानमंत्री डा. मुस्तफा मदबूली से मुलाकात की और वहां के कई मंत्रियों तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से भी चर्चा की।

भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति की सातवीं बैठक 15 नवंबर को गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री डा. मोहम्मद फरीद सालेह की सह-अध्यक्षता में हुई। इस समिति को मंत्रीस्तरीय स्तर पर उन्नत किया गया। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार की समीक्षा की और व्यापार के दायरे में विविधता लाने, अधिक मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा देने, बाजार तक पहुंच मजबूत करने तथा व्यापार संबंधी बाधाओं को दूर करने पर सहमति जताई।

मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान दोनों देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार 5.04 अरब अमेरिकी डालर रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 64 फीसदी अधिक है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने मिस्र को 3.87 अरब अमेरिकी डालर का निर्यात किया, जबकि मिस्र से 2.60 अरब अमेरिकी डालर का आयात किया गया।

बैठक में कृषि और पशु चिकित्सा सहयोग, औषधि एवं स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग उत्पाद, रसायन और पेट्रोकेमिकल, उर्वरक, कपड़ा, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, सीमा शुल्क, सेवाओं, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, खाद्य सुरक्षा, परिवहन और लाजिस्टिक्स सहित कई क्षेत्रों पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने व्यापार प्रतिनिधिमंडलों के नियमित आदान-प्रदान, खरीदारों के प्रतिनिधिमंडल, व्यापार प्रदर्शनियों और कारोबारी संपर्क बढ़ाने पर भी जोर दिया। दोनों पक्षों ने मिस्र में भारतीय सिरेमिक टाइल कंपनियों के पंजीकरण, लंबित व्यावसायिक भुगतान, व्यापार उपचार उपायों और मिस्र की सरकारी खरीद निविदाओं में भारतीय कंपनियों की भागीदारी से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की। मानकीकरण, उत्पादों के अनुरूपता आकलन, कृषि बाजार तक पहुंच, पशु चिकित्सा सेवाओं और भारतीय उत्पादों की मान्यता से जुड़े विषय भी बैठक में उठे। मिस्र के स्वेज नहर आर्थिक क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं की भी समीक्षा की गई। मंत्रालय के अनुसार, मिस्र में करीब 70 भारतीय कंपनियां काम कर रही हैं और उनका कुल निवेश लगभग पांच अरब अमेरिकी डालर है। मिस्र ने वाहन एवं वाहन कलपुर्जे, औषधि, रसायन, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, इंजीनियरिंग, नवीकरणीय ऊर्जा और लाजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में भारतीय निवेश का स्वागत किया। दोनों देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, औषधि, उर्वरक, कपड़ा, वाहन कलपुर्जे और डिजिटल बदलाव के क्षेत्रों में औद्योगिक साझेदारी तथा संयुक्त उद्यमों को प्रोत्साहित करने पर भी सहमति जताई। डिजिटल प्रौद्योगिकी और फिनटेक के क्षेत्र में भारत की यूपीआई प्रणाली को मिस्र की इंस्टापे सेवा से जोड़ने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के माध्यम से मिस्र के डिजिटल बदलाव को गति देने की संभावनाओं को भी स्वीकार किया। बैठक के सहमत कार्यवृत्त पर दोनों देशों के मंत्रियों ने हस्ताक्षर किए। संयुक्त व्यापार समिति की अगली बैठक 2028 में नई दिल्ली में या उससे पहले दोनों पक्षों की सहमति से आयोजित की जाएगी। गोयल ने यात्रा के पहले दिन भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार परिषद की छठी बैठक और भारत-मिस्र व्यापार मंच में हिस्सा लिया। इन बैठकों में दोनों देशों के 250 से अधिक कारोबारी प्रतिनिधि शामिल हुए। चर्चा में रसायन, पेट्रोकेमिकल, औषधि, स्वास्थ्य सेवा, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, बुनियादी ढांचा, बंदरगाह, लाजिस्टिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, कपड़ा और वाहन उद्योग से जुड़े अवसरों पर विचार किया गया।

सोने-चांदी की कीमतों में सुधार भारी गिरावट के बाद बढ़े भाव



नई दिल्ली

सोने का भाव 1,35,130 रुपए प्रति 10 ग्राम, 1,68,730 रुपये प्रति किलोग्राम

सोने और चांदी की कीमतों में हल्की तेजी देखने को मिली। इससे पिछले कारोबारी सत्र में दोनों कीमती धातुओं के भाव में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू बाजार में भी कीमतों में सुधार के संकेत दिखाई दिए। 24 कैरेट सोने का भाव 1,35,130 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 1,23,869 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। दूसरी ओर, चांदी 1,68,730 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार करती दिखाई दी। सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव के पीछे अंतरराष्ट्रीय आर्थिक परिस्थितियां अहम भूमिका निभा रही हैं। अमेरिकी डालर में मजबूती और ट्रेजरी बान्ड की यील्ड बढ़ने से पिछले कारोबारी सत्र में कीमती धातुओं पर दबाव बना था। इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी मौद्रिक नीति को लेकर निवेशकों की चिंता भी बाजार की दिशा प्रभावित कर रही है। निवेशकों की नजर दिसंबर में फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर टिकी हुई है। इस बीच केविन वार्श की टिप्पणियों से भविष्य की मौद्रिक नीति को लेकर संकेत मिलने की उम्मीद की जा रही है। सोमवार 16 नवंबर को घरेलू वायदा बाजार में दोनों धातुओं के भाव में तेज गिरावट दर्ज की गई थी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 1.6 प्रतिशत टूटकर 1,34,539 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

वहीं, चांदी के वायदा भाव में 3.2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई और यह 1,67,863 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में मामूली बढ़त देखने को मिली। कामेक्स पर सोने का वायदा भाव 0.21 प्रतिशत बढ़कर 3,861.1 डालर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं, चांदी का वायदा भाव 0.35 प्रतिशत की तेजी के साथ 47.025 डालर प्रति औंस पर पहुंच गया। कुल मिलाकर, निवेशकों की नजर अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत दिशा और डालर की चाल पर है।

वैश्विक इस्पात संकट: टाटा स्टील को दोहरी चुनौती, ब्रिटेन और नीदरलैंड से मदद की



जमशेदपुर। वैश्विक इस्पात कारोबार में जारी उथल-पुथल के बीच, टाटा स्टील ब्रिटेन और नीदरलैंड की सरकारों से सक्रिय हस्तक्षेप और वित्तीय सहायता की मांग कर रही है। कंपनी ब्रिटेन में आयातित इस्पात के बड़े भंडार से जूझ रही है, वहीं नीदरलैंड में अपने संयंत्र को हरित इस्पात उत्पादन में बदलने के लिए सरकारी मदद पर निर्भर है। इस वैश्विक संकट का मुख्य कारण चीन की तरफ से जरूरत से अधिक इस्पात की आपूर्ति को बताया जा रहा है। टाटा स्टील के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी और यूरोपीय संघ द्वारा व्यापार बाधाएं बढ़ाने के बाद ब्रिटेन में इस्पात का बड़ा भंडार जमा हो गया था, क्योंकि उस समय वहां आयात पर कोई प्रतिबंध नहीं था। हालांकि अब आयात बंद हो गया है, कंपनी ब्रिटेन सरकार के साथ इस मौजूदा भंडार से निपटने के लिए समर्थन पर विशेष बातचीत कर रही है। इसी के साथ, कंपनी नीदरलैंड में अपने संयंत्र को स्वच्छ इस्पात निर्माण में बदलने के लिए वहां की सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए भी बातचीत कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह हरित बदलाव सरकारी समर्थन और वित्तपोषण के बिना संभव नहीं है। उन्होंने वैश्विक इस्पात कारोबार में मौजूदा उथल-पुथल का मुख्य कारण चीन की जरूरत से ज्यादा आपूर्ति को बताया।

भारतीय बागवानी में बंपर उछाल, 2025-26 में रिकार्ड उत्पादन का अनुमान

रकबा घटने के बावजूद 38.69 करोड़ टन उत्पादन की संभावना

नई दिल्ली

भारत का बागवानी उत्पादन फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) में रिकार्ड 38.69 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 37.07 करोड़ टन से 4.36 प्रतिशत अधिक होगा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को सरकार का तीसरा अग्रिम अनुमान जारी करते हुए यह जानकारी दी। यह वृद्धि ऐसे समय में अनुमानित है जब बागवानी फसलों का कुल रकबा एक साल पहले के 3.01 करोड़ हेक्टेयर से घटकर 2.97 करोड़ हेक्टेयर रहने की संभावना है।



कृषि मंत्री चौहान ने इस अभूतपूर्व वृद्धि का श्रेय किसानों के पारंपरिक खेती से हटकर फल, सब्जियां, फूल, मसाले और औषधीय पौधों जैसी व्यावसायिक फसलों की ओर बढ़ते रुझान तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की किसान-हितैषी नीतियों को दिया। उन्होंने कहा कि यह रुझान न केवल किसानों के लिए आय के नए स्रोत खोल रहा है, बल्कि देश की पोषण सुरक्षा को मजबूत करते हुए कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और प्रगति के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। अनुमानों के अनुसार, 2025-26 में फल उत्पादन 4.60 प्रतिशत बढ़कर 12.30 करोड़ टन और सब्जियों का उत्पादन 4.35 प्रतिशत बढ़कर 22.72 करोड़ टन रहने का अनुमान है। आलू का उत्पादन 11.95 प्रतिशत की भारी वृद्धि के साथ 6.55 करोड़ टन तक पहुंचने की उम्मीद है। फूलों का उत्पादन भी करीब 14.45 प्रतिशत बढ़कर 48.8 लाख टन रहने का अनुमान है, जबकि बागान फसलों में 7.56 प्रतिशत की वृद्धि देखी जाएगी। यह आंकड़े देश के कृषि क्षेत्र के लिए एक मजबूत और आशाजनक भविष्य का संकेत देते हैं।

ईंधन और बिजली की कीमतों में तेजी से बढ़ी महंगाई

मुंबई

ईंधन और बिजली की कीमतों में तेजी के कारण देश में एक महीने के भीतर थोक कीमतों में महंगाई का स्तर और ऊपर चला गया है। अक्टूबर में थोक महंगाई दर (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 12.29 फीसदी पर पहुंच गई, जबकि सितंबर में यह 11.39 फीसदी थी।

इसकी सबसे बड़ी वजह ईंधन और बिजली की कीमतों में आई तेजी को माना जा रहा है। वहीं चीजों की महंगाई में मामूली राहत भी मिली है, लेकिन कुल महंगाई के आंकड़े आम लोगों को चिंतित कर रहे हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 113.3 हो गया। सितंबर में यह 112.5 था। इस सूचकांक का आधार वर्ष 2022-23 है। आंकड़े बताते हैं कि ईंधन और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों ने थोक महंगाई को ऊपर खींचने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई।

अक्टूबर में ईंधन और बिजली श्रेणी की महंगाई दर बढ़कर 32.84 फीसदी हो गई, जो सितंबर में 25.85 फीसदी थी। इस श्रेणी का सूचकांक भी सितंबर के 110.5 से बढ़कर अक्टूबर में 115.7 पर पहुंच गया। खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी इसका प्रमुख कारण रही।

इसके अलावा प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई दर भी बढ़ी है। सितंबर में यह 8.67 फीसदी थी, जो अक्टूबर में बढ़कर 9.24 फीसदी हो गई। वहीं, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर में थोड़ी राहत देखने को मिली। यह सितंबर के 9.76 फीसदी से घटकर अक्टूबर में 9.54 फीसदी पर आ गई। खाद्य महंगाई के मोर्चे पर अक्टूबर में हल्की राहत मिली है।



डब्ल्यूपीआई फूड इंडेक्स के मुताबिक, खाद्य महंगाई दर सितंबर के 8.66 फीसदी से घटकर अक्टूबर में 8.58 फीसदी रह गई। इस सूचकांक में प्राथमिक श्रेणी की खाद्य वस्तुओं के साथ विनिर्मित खाद्य उत्पाद भी शामिल होते हैं। हालांकि, खाद्य महंगाई अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है।

खाद्य वस्तुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं, धातुओं, रसायनों, कपड़ों और रबर-प्लास्टिक उत्पादों की कीमतों ने भी थोक महंगाई को बढ़ाने में योगदान दिया। सरकार ने अगस्त 2026 के लिए थोक महंगाई के अंतिम आंकड़े को 9.92 फीसदी पर बरकरार रखा है। इस महीने का अंतिम थोक मूल्य सूचकांक 110.8 रहा।



उत्तराखंड की प्रेमा रावत ने रचा इतिहास, 14 गेंदों में जड़ा महिला क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक

देहरादून

उत्तराखंड की प्रतिभाशाली महिला क्रिकेटर प्रेमा रावत ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विश्व क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। सीनियर महिला टी-20 ट्राफी में हैदराबाद के खिलाफ खेलते हुए प्रेमा ने महज 14 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर महिला क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का विश्व रिकार्ड अपने नाम कर लिया। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना का 15 गेंदों में अर्धशतक बनाने का रिकार्ड पीछे छोड़ दिया।

प्रेमा ने अपनी इस ऐतिहासिक पारी में छह चौके और चार छक्के लगाए। उन्होंने 357.14 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 50 रन बनाए। बल्ले के साथ गेंद से भी उन्होंने अपनी उपयोगिता साबित की। लेग स्पिन गेंदबाजी करते हुए प्रेमा ने चार ओवर में महज 12 रन देकर दो महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। उनके इस हरफनमौला प्रदर्शन ने उत्तराखंड की टीम को मजबूती प्रदान की।

24 वर्षीय प्रेमा रावत की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पीछे संघर्ष, प्रतिभा और निरंतर मेहनत की लंबी कहानी है। उत्तराखंड के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहचान बनाने तक का उनका सफर प्रेरणादायक रहा है। उनकी प्रतिभा को शुरुआती दौर में पहचानने और उसे निखारने में क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड (सीएयू) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एसोसिएशन ने उन्हें बेहतर सुविधाएं, आधुनिक प्रशिक्षण और उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराया।

उत्तराखंड प्रीमियर लीग (यूपीएल) ने भी प्रेमा के करियर को नई दिशा देने में अहम योगदान दिया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से उन्हें प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का अनुभव और अपनी प्रतिभा दिखाने के बेहतर अवसर मिले, जिसका लाभ अब राष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रदर्शन में दिखाई दे रहा है।

प्रेमा भारतीय सीनियर महिला टीम की ओर से सात टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुकी हैं। वह इंडिया-ए और हाल ही में महिला टी-20 विश्व कप टीम का भी हिस्सा रही हैं। इसके अलावा महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में वह रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का प्रतिनिधित्व करती हैं।

उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बीसीसीआई के पूर्व उपाध्यक्ष एवं क्रिकेट एसोसिएशन आफ उत्तराखंड के सचिव महिम वर्मा ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रेमा की उपलब्धि पर उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश को गर्व है। 14 गेंदों में विश्व रिकार्ड अर्धशतक बनाने के साथ गेंद और बल्ले दोनों से प्रभावशाली प्रदर्शन करना उनकी असाधारण प्रतिभा और कड़ी मेहनत का प्रमाण है।

महिम वर्मा ने कहा कि सुदूर क्षेत्र से निकलकर विश्व क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने वाली प्रेमा युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हैं। सीएयू प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्हें विश्वास है कि प्रेमा भविष्य में भी नए कीर्तिमान स्थापित करेंगी और भारतीय क्रिकेट को गौरवान्वित करेंगी।

न्यूज ब्रीफ

पीठ की चोट के कारण डब्ल्यूबीबीएल के शेष सत्र से बाहर हुईं सोफी एक्लेस्टोन

मेलबर्न। इंग्लैंड की स्टार स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन पीठ की चोट के कारण महिला बिग बैश लीग



(डब्ल्यूबीबीएल) के मौजूदा सत्र के शेष मुकाबलों से बाहर हो गई हैं। वह एडिलेड स्ट्राइकर्स की ओर से खेल रही थीं। पर्थ स्कार्चर्स के खिलाफ मुकाबले से पहले उन्हें यह चोट लगी थी। पश्चिमी आस्ट्रेलिया में स्कैन कराने और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड से परामर्श के बाद यह फैसला लिया गया कि एक्लेस्टोन को चोट से उबरने के लिए पुनर्वास प्रक्रिया से गुजरना होगा। एडिलेड स्ट्राइकर्स के मुख्य कोच ल्यूक विलियम्स ने एक आधिकारिक बयान में कहा, सोफी स्ट्राइकर्स के लिए शानदार खिलाड़ी साबित हुई हैं। उन्होंने न केवल अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी से, बल्कि अपने नेतृत्व और अनुभव से भी टीम को काफी योगदान दिया है। वह दुनिया की बेहतरीन गेंदबाजों में से एक हैं। उन्हें खोने से हम निराश हैं, लेकिन क्लब के साथ अपने समय के दौरान उन्होंने जो कुछ भी योगदान दिया है, उसके लिए हम उनके बेहद आभारी हैं। हम सोफी के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में एडिलेड में उनका फिर से स्वागत करने की उम्मीद करते हैं। एक्लेस्टोन ने इस सत्र में स्ट्राइकर्स के लिए चार मैचों में चार विकेट लिए थे। उन्होंने कहा, मेरा सत्र इस तरह समाप्त हुआ, इससे मैं वास्तव में बहुत दुखी हूं। एडिलेड और स्ट्राइकर्स के साथ मेरा समय बहुत अच्छा रहा है। सत्र के बाकी मुकाबलों में मैं हर कदम पर टीम का समर्थन करती रहूंगी। हमारी टीम ने इस साल कुछ शानदार प्रदर्शन किए हैं और मैं फाइनल में जगह बनाने की उनकी कोशिशों के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाती रहूंगी। 11 सत्र बाद पूरे बिग बैश सत्र में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे लाबुशेन आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन आगामी बिग बैश लीग सत्र में ब्रिस्बेन हीट की ओर से खेलेंगे। 11 लगातार सत्रों से बिग बैश लीग में हिस्सा लेने वाले लाबुशेन पहली बार 11 सत्रों में पूरे टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध रहने की स्थिति में हैं।

हाथ में फ्रैक्चर के कारण भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए सैंटनर, फाक्सक्राफ्ट को मौका

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के आलराउंडर मिचेल सैंटनर दाहिने हाथ में फ्रैक्चर के कारण भारत के खिलाफ



आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह आलराउंडर डीन फाक्सक्राफ्ट को न्यूजीलैंड की टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान सैंटनर को रविवार (15 नवंबर) को माउंट माउंगानुई में भारत के खिलाफ पांचवें वनडे मुकाबले के दौरान बल्लेबाजी करते समय दाहिने हाथ में चोट लगी थी। भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की एक गेंद उनके दाहिने हाथ के पिछले हिस्से पर लगी थी। न्यूजीलैंड की पारी के 37वें ओवर में चोट लगने के बाद फिजियो ने मैदान पर उनका उपचार किया। हालांकि, सैंटनर ने बल्लेबाजी जारी रखी और 24 रन बनाकर आउट हुए। बाद में कराई गई जांच में उनके हाथ में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके कारण वह टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से जारी बयान में कहा गया, सैंटनर की मैदान पर वापसी में लगने वाले समय को लेकर अभी आकलन किया जा रहा है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता सरमा ने ऋतिक तिवारी को भारतीय सीनियर फुटबाल टीम में पदार्पण पर दी बधाई

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गोलकीपर ऋतिक तिवारी को भारतीय सीनियर पुरुष



फुटबाल टीम में पदार्पण करने पर बधाई दी है। तिवारी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से अपना पहला मैच खेला। मुख्यमंत्री ने इसे राज्य के लिए गर्व का क्षण बताते हुए असम में फुटबाल के मजबूत होते आधार का प्रमाण बताया। सरमा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए तिवारी की उपलब्धि का स्वागत किया। उन्होंने उनके पदार्पण को सुखद बताते हुए असम में फुटबाल की प्रगति पर खुशी जताई। मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि तिवारी इस साल भारतीय सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम में पदार्पण करने वाले असम के दूसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले पार्थिब गोगोई ने जून में अपना पहला सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। मुख्यमंत्री ने लिखा, फुटबाल के मैदान पर शानदार पदार्पण! असम के बेटे ऋतिक तिवारी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में भारत की सीनियर फुटबाल टीम के लिए अपना पहला मैच खेला। वह पार्थिब गोगोई के साथ जुड़ गए हैं, जिन्होंने इसी साल जून में पदार्पण किया था। यह हमारे राज्य के लिए गर्व का क्षण है और इस बात का संकेत है कि असम का फुटबाल तंत्र कितना मजबूत हो रहा है। आगे बढ़ते रहें और नई ऊंचाइयां हासिल करें। तिवारी का भारतीय सीनियर टीम में पदार्पण असम के फुटबाल के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह भारतीय फुटबाल में राज्य के बढ़ते योगदान और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के केंद्र के रूप में उसके उभरने को दर्शाता है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में सात बल्लेबाज और चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरेंगे : गिल

कप्तान ने पंत की फिटनेस और फार्म पर जताया भरोसा

वेलिंगटन

भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने पुष्टि की है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट में भारतीय टीम सात विशेषज्ञ बल्लेबाजों और चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने की योजना बना रही है। हालांकि, तेज गेंदबाजों के अंतिम संयोजन पर फैसला अभी नहीं हुआ है। गिल ने कहा कि पिच पर तीसरे दिन से उछाल कम होने और उसके सपाट होने की संभावना है। ऐसे में टीम को ऐसे गेंदबाजों की जरूरत होगी, जो पिच से उछाल हासिल करने के साथ तेज गति से गेंद को सतह पर पटक सकें।

पहले टेस्ट की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए गिल ने कहा, हम न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में सात विशेषज्ञ बल्लेबाजों को खिलाने की योजना बना रहे हैं। हम निश्चित रूप से चार तेज गेंदबाजों के साथ खेलेंगे। हमारे सभी तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम के लिए यह अच्छी परेशानी है।

उन्होंने कहा, हम चार तेज गेंदबाजों को खिलाना चाहते हैं, लेकिन अभी यह तय नहीं है कि उनमें से कौन खेलेगा। हमने देखा है कि तीसरे दिन से पिच सपाट हो जाती है और हमें ऐसे गेंदबाज की जरूरत है, जो पिच पर गेंद को जोर से पटक सके।

गिल ने बल्लेबाजी क्रम में आठवें और नौवें नंबर पर भी योगदान की अहमियत बताई। उन्होंने आकाश दीप और अंशुल कंबोज की बल्लेबाजी क्षमता का जिक्र करते हुए नितीश कुमार रेड्डी को भी टीम के लिए अतिरिक्त बल्लेबाजी विकल्प बताया।

गिल ने कहा, आदर्श रूप से हम सात विशेषज्ञ बल्लेबाजों के साथ उतरने पर विचार कर रहे हैं। आठवें और नौवें नंबर पर कौन खेलेगा, यह हमारे चुने गए संयोजन पर निर्भर करेगा। आकाश दीप बल्ले से योगदान दे सकते हैं और अंशुल कंबोज भी थोड़ी बल्लेबाजी कर सकते हैं। अगर हम नितीश कुमार रेड्डी के साथ उतरते हैं, तो वह एक पूर्ण बल्लेबाज हैं। इसलिए हम सभी विकल्पों का आकलन करेंगे और तय करेंगे कि हमें किस तरह का संयोजन चाहिए और टीम के लिए क्या सबसे बेहतर रहेगा।



पंत की वापसी पर गिल ने जताया भरोसा- गिल ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की फिटनेस और फार्म को लेकर उठ रही चिंताओं को भी खारिज किया। उन्होंने पंत के अनुभव और क्षमता पर भरोसा जताते हुए कहा कि वह टीम के सबसे अनुभवी और वरिष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। चोट के कारण एक महीने से अधिक समय तक मैदान से दूर रहने के बाद पंत न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले भारतीय टीम में लौट आए हैं।

गिल ने कहा, मुझे लगता है कि वह टीम के सबसे अनुभवी और वरिष्ठ सदस्यों में से एक हैं। मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि उन्होंने कितने मैच खेले हैं, लेकिन मेरा मानना है कि वह लगभग 50 टेस्ट मैच खेल चुके हैं, जो एक बड़ी संख्या है। जिस तरह के खिलाड़ी वह हैं और जिस गुणवत्ता के साथ टीम में योगदान देते हैं, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि उन्होंने दुनिया भर में शतक लगाए हैं। उन्होंने आगे कहा, विकेटकीपर के रूप में उन्होंने आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में शतक बनाए हैं। न्यूजीलैंड शायद एकमात्र ऐसा देश है, जहां वह अब तक ऐसा नहीं कर पाए हैं। इसलिए मुझे पूरा विश्वास है कि वह यहां यह उपलब्धि हासिल करने के अवसर का इंतजार कर रहे होंगे। पंत को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेडिकल टीम ने फिटनेस की मंजूरी दे दी है। उन्हें एक से चार अक्टूबर तक श्रीनगर में खेले गए ईरानी कप के दौरान साइड स्ट्रेन की चोट लगी थी। उस मुकाबले में वह रेस्ट आफ इंडिया टीम के कप्तान थे। इसके बाद 23 अक्टूबर से वह बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर आफ एक्सीलेंस में पुनर्वास प्रक्रिया से गुजर रहे थे।

पंत को न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट टीम और न्यूजीलैंड ए के खिलाफ चार दिवसीय मुकाबलों के लिए भारत ए टीम में भी चुना गया था, लेकिन उनकी भागीदारी फिटनेस मंजूरी पर निर्भर थी। चोट के कारण वह न्यूजीलैंड ए के खिलाफ शुरुआती दो चार दिवसीय मुकाबलों में नहीं खेल सके। उन्हें सात से 10 नवंबर तक खेले गए तीसरे मुकाबले से टीम में शामिल होने की उम्मीद थी, लेकिन बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उनकी रिकवरी और फिटनेस जांच के लिए सेंटर आफ एक्सीलेंस में अतिरिक्त समय देने का फैसला किया। अब जरूरी फिटनेस मंजूरी मिलने के बाद पंत भारतीय टेस्ट टीम में वापसी के लिए तैयार हैं। भारतीय टीम न्यूजीलैंड दौरे पर टी20 और वनडे सीरीज जीत चुकी है। अब उसकी नजर टेस्ट सीरीज में भी जीत दर्ज कर दौरे का क्लीन स्वीप करने पर होगी। गिल पिछले सप्ताह टेस्ट सीरीज की तैयारियों के लिए टीम से अलग किए जाने के बाद माउंट माउंगानुई में खेले गए अंतिम दो वनडे मुकाबलों में नहीं खेले थे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट 19 नवंबर से वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में शुरू होगा, जबकि दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला जाएगा।

एकदिवसीय विश्वकप से पहले भारतीय टीम को बल्लेबाजी में करना होगा सुधार : शास्त्री



मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीतने के बाद भी भारतीय टीम की बल्लेबाजी पर चिन्ता जतायी है। शास्त्री ने कहा कि एकदिवसीय विश्वकप से पहले टीम को बल्लेबाजी में आई कमजोरियों को दूर करना होगा। टीम की बल्लेबाजी को लेकर गंभीर सवाल इसलिए भी उठ रहे क्योंकि विश्वकप में अभी अभी अधिक समय नहीं है। वहीं भारतीय बल्लेबाज न्यूजीलैंड के मैदानों में बड़ा स्कोर बनाने में विफल रहे। टीम पांच मैचों में एक बार भी 250 रनों तक नहीं पहुंच पायी। टीम चौथे एकदिवसीय में केवल 89 रनो पर ही आउट हो गयी। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी बल्लेबाज भी रन नहीं बना पाये। इसी कारण टीम के मुख्य गौतम गंभीर भी चिन्तित है। शास्त्री ने कहा कि गंभीर की चिन्ता जायज है क्योंकि विश्वकप से पहले ऐसी बल्लेबाजी कोई कोच नहीं चाहेगा।

पूरी सीरीज के दौरान भारतीय टीम की बल्लेबाजी कई अवसर पर बिखरती दिखी। पांचवें मुकाबले में भी भारतीय बल्लेबाज बड़ा स्कोर खड़ा करने में असफल रही। शास्त्री का मानना है कि भारतीय बल्लेबाजों को कठिन और चुनौतीपूर्ण हालातों में अपनी तकनीक और रवैये में सुधार करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने की जरुरत है।

शास्त्री ने गंभीर के बयान का हवाला देते हुए कहा, कोच ने बिल्कुल सही कहा था कि मैं सबसे ज्यादा इसलिए निराश हूं, क्योंकि ये परिस्थितियां दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप की परिस्थितियों के सबसे करीब हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर बार 300-320 रन बनाने का लक्ष्य नहीं रखा जा सकता। क्रिकेट की बदलती पिचों और परिस्थितियों में, कई बार 260-270 रन भी मैच जिताने वाला स्कोर साबित हो सकता है, इसलिए बल्लेबाज परिस्थितियों को समझकर धैर्य और सूझबूझ से खेलें। टीम को अपनी अप्रोच में सुधार करना होगा, और कठिन परिस्थितियों में संभलकर खेलने का धैर्य दिखाना होगा।

इस दौरे से भारतीय टीम की कई कमजोरियां उभरकर सामने आई हैं जिन्हें विश्वकप से पहले उसे दूर करना होगा। जिससे विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट्स में अप्रत्याशित प्रदर्शन से बचा जा सके और टीम मजबूत दावेदार के रूप में उभरकर सामने आए।

पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बने शेन डिट्ज



लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शेन डिट्ज को अपनी महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। डिट्ज वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी द्विपक्षीय सीरीज से पहले अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। 1 वर्षीय डिट्ज को कोचिंग का अच्छा अनुभव है। वह हाल ही में वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच थे। उनके मार्गदर्शन में वेस्टइंडीज की टीम ने 2024 और 2026 के लगातार दो आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। डिट्ज बांग्लादेश और नीदरलैंड की महिला राष्ट्रीय टीमों के साथ भी काम कर चुके हैं। अपने कोचिंग करियर के शुरुआती दौर में उन्होंने 2008 से 2013 तक न्यूजीलैंड के क्रिकेट वेलिंगटन में हाई परफार्मेंस कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। नियुक्ति पर खुशी जताते हुए डिट्ज ने कहा, पाकिस्तान महिला टीम का मुख्य कोच बनना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। पाकिस्तान क्रिकेट का शानदार इतिहास रहा है। मुझे भी याद है कि बचपन में आस्ट्रेलिया में रहते हुए 1992 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान का समर्थन किया था। वह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी। डिट्ज ने पाकिस्तान क्रिकेट को लेकर अपने लक्ष्य भी साझा किए। उन्होंने कहा, 2028 में हम टी20 विश्व कप की मेजबानी करेंगे और हमारा लक्ष्य घरेलू मैदान पर अपने समर्थकों को जश्न मनाने का मौका देना है।

फिलिस्तीन के खिलाफ बड़ी परीक्षा से गुजरेगी भारतीय अंडर-17 टीम

कुआलालंपुर

एएफसी अंडर-17 एशियाई कप उज्बेकिस्तान 2027 के क्वालीफायर में भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबाल टीम अपने सबसे चुनौतीपूर्ण मुकाबले में फिलिस्तीन का सामना करेगी। ग्रुप ई के इस मुकाबले में दोनों टीमें अपने शुरुआती दो मैच जीतकर मैदान पर उतरेंगी। ऐसे में ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल करने की राह में यह मुकाबला अहम साबित हो सकता है।

अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार, भारत ने अपने पहले मुकाबले में सिंगापुर को 4-2 से हराया और इसके बाद गुआम के खिलाफ 12-0 की शानदार जीत दर्ज की। दूसरी ओर, फिलिस्तीन ने मेजबान मलेशिया को 2-0 और गुआम को 5-0 से शिकस्त दी है।

दोनों टीमों के छह-छह अंक हैं, लेकिन बेहतर गोल अंतर के आधार पर भारत ग्रुप ई में शीर्ष पर है। भारत का गोल अंतर प्लस 14 है, जबकि फिलिस्तीन प्लस सात के साथ दूसरे स्थान पर है। अंक बराबर होने की स्थिति में आमने-सामने के मुकाबले को पहली वरीयता दिए जाने के कारण मैच ग्रुप में शीर्ष स्थान और अगले दौर के लिए क्वालीफाई करने वाली टीम का फैसला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस ग्रुप से केवल एक टीम को क्वालीफाई करना है।

भारत और फिलिस्तीन के बीच एएफसी की युवा प्रतियोगिताओं में यह चौथा मुकाबला होगा। इससे पहले दोनों टीमों ने एक-एक मैच जीता है, जबकि एक मुकाबला ड्रा रहा है। फिलिस्तीन ने 2016 एएफसी अंडर-19 चैंपियनशिप क्वालीफायर में भारत को 1-0 से हराया था। वहीं, भारत ने 2018 एएफसी अंडर-16 चैंपियनशिप क्वालीफायर में 3-0 से जीत दर्ज की थी। दोनों टीमों की पिछली भिड़ंत पिछले साल नवंबर में अहमदाबाद में एएफसी अंडर-17 एशियाई कप क्वालीफायर के दौरान हुई थी, जो 1-1 से ड्रा रही थी।

भारतीय टीम के मुख्य कोच मेहराजुद्दीन वाडू फिलिस्तीन की चुनौती से परिचित हैं। हालांकि, उनका कहना है कि भारतीय टीम अपनी शैली के अनुसार खेलते हुए मुकाबले पर नियंत्रण बनाने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा, फिलिस्तीन एक प्रतिस्पर्धी टीम है और हम जानते हैं कि वह हमें अलग तरह की चुनौती देगी। हम उसका सम्मान करेंगे, लेकिन साथ ही अपनी फुटबाल शैली के अनुसार खेलना और मुकाबले पर अपनी रणनीति थोपना चाहेंगे।



भारत ने शुरुआती दो मुकाबलों में कुल 16 गोल किए हैं। टीम के आक्रामक खेल को अब तक अभियान की सबसे बड़ी खासियत माना जा रहा है। वाडू ने कहा कि टीम ने तैयारियों के दौरान जिन पहलुओं पर काम किया था, उनका असर मैदान पर दिखाई देने लगा है।

उन्होंने कहा, दो मैचों में 16 गोल करना सकारात्मक संकेत है और यह हमारी मेहनत को दर्शाता है। आक्रमण की रणनीति, खिलाड़ियों की मूवमेंट और विपक्षी गोल क्षेत्र के आसपास आपसी तालमेल पर किया गया काम अब नजर आने लगा है। हालांकि, हमें यह याद रखना होगा कि यह अभी सिर्फ शुरुआत है।

टूर्नामेंट में भारतीय टीम के गोल करने में कई खिलाड़ियों ने योगदान दिया है। डल्लालमुआन गंगटे ने लगातार दो मैचों में हैट्रिक लगाई है, जबकि राज सिंह वाहेंगबाम ने गुआम के खिलाफ चार गोल दागे थे। कोच वाडू ने टीम के सामूहिक प्रदर्शन पर खुशी जताई।

आरसीबी को रोमारियो शेफर्ड को रिलीज करने की जरूरत नहीं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की अंतिम तारीख से पहले रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पास अन्य टीमों की तुलना में ज्यादा माथापच्ची करने की जरूरत नहीं है। दो बार की मौजूदा चैंपियन आरसीबी की नजरें खिताब की हैट्रिक लगाने पर हैं। इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर और विशेषज्ञ आकाश चोपड़ा ने कहा है कि टीम को रोमारियो शेफर्ड को रिलीज करने की जरूरत नहीं है। डेढ़ करोड़ रुपये की कीमत पर उन्हें टीम में बनाए रखना सही फैसला होगा।

जियोस्टार के कार्यक्रम गेम प्लान' में आकाश चोपड़ा और अभिनव मुकुंद ने आईपीएल 2027 के लिए आरसीबी के संभावित रिटेंशन और रिलीज को लेकर अपनी राय रखी। इसमें जोश हेजलवुड और रोमारियो शेफर्ड को लेकर टीम के फैसलों पर भी चर्चा हुई।

आकाश चोपड़ा ने कहा कि आरसीबी के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने का काम काफी आसान होना चाहिए। उन्होंने कहा, उन्हें तो बस दर्शक बनकर आना चाहिए। बड़ी नीलामी के बाद अगर कोई टीम चैंपियन बनती है, तो उसके पास अपने प्रदर्शन को दोहराने का सबसे अच्छा मौका होता है और आरसीबी ने ऐसा ही किया है। पहले साल चैंपियन बनने के बाद उन्होंने दूसरे साल भी ट्राफी जीत ली। वे पहले ही अपना प्रदर्शन दोहरा चुके हैं और अब खिताबी हैट्रिक की बात कर रहे हैं। शायद यश दयाल को छोड़कर किसी भी खिलाड़ी को बाहर करने का सवाल नहीं उठता। उन्होंने उत्तर प्रदेश के लिए फिर से खेलना शुरू कर दिया है, इसलिए शायद हमें उन्हें भी टीम में बनाए रखना चाहिए।

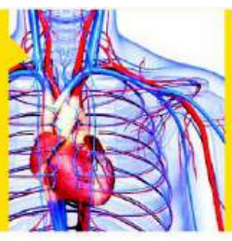


हेजलवुड की उपलब्धता पर बातचीत जरूरी - जोश हेजलवुड को टीम में बनाए रखने के सवाल पर चोपड़ा ने कहा कि आरसीबी को पहले उनसे बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मैं जोश हेजलवुड को रिटेन करूंगा। आपको उनसे बातचीत करनी होगी। वह अकेले नहीं हैं, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और हेजलवुड तीनों ऐसे खिलाड़ी हैं। इसलिए इन सभी खिलाड़ियों की फ्रेंचाइजी को उनके भविष्य के कार्यक्रम और खेलने की योजना के बारे में बात करनी चाहिए। अगर हेजलवुड आईपीएल में खेलने की योजना बना रहे हैं, भले ही वह आधा सत्र ही खेलें, तो उन्हें रिटेन करना चाहिए। लेकिन अगर वह खेलने को लेकर निश्चित नहीं हैं, तो फिर उन्हें रिलीज करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

डेढ़ करोड़ रुपये में शेफर्ड को बनाए रखने के पक्ष में चोपड़ा - रोमारियो शेफर्ड को लेकर चोपड़ा ने कहा कि वह आरसीबी के लिए चौथे विदेशी खिलाड़ी के स्थान पर कमजोर कड़ी रहे, लेकिन इसके बावजूद टीम चैंपियन बनी। उन्होंने कहा, वास्तव में आरसीबी की कमजोर कड़ी चौथे विदेशी खिलाड़ी का स्थान था और इसके बावजूद उन्होंने चैंपियनशिप जीत ली। मुझे लगता है कि शेफर्ड का प्रदर्शन हमेशा कभी अच्छा तो कभी निराशाजनक रहेगा। लेकिन जब वह अच्छा खेलते हैं, तो बेहद शानदार खिलाड़ी साबित होते हैं। डेढ़ करोड़ रुपये की कीमत पर वह टीम के बजट पर ज्यादा बोझ नहीं डालते। अगर उनकी कीमत 15 करोड़ रुपये होती, तो मैं निश्चित रूप से कहता कि उन्हें रिलीज कर दो और बाजार में जाने दो, फिर देखते हैं क्या होता है। लेकिन डेढ़ करोड़ रुपये में मैं कहूंगा कि उन्हें टीम में बनाए रखो। जब कोई चीज खराब नहीं है, तो उसे ठीक करने की कोशिश क्यों करनी चाहिए

हेजलवुड को रिलीज करना बड़ी गलती होगी : मुकुंद - वहीं, अभिनव मुकुंद ने जोश हेजलवुड को पूरे सत्र के लिए उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में भी टीम में बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा, अगर वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध नहीं भी होते हैं, तब भी मैं उन्हें रिलीज नहीं करूंगा। आईपीएल में ऐसे पांच या छह गेंदबाज ही हैं, जो आपके लिए इतने महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। मैं जोफ्रा आर्चर, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड जैसे विदेशी गेंदबाजों की बात कर रहा हूं।

क्यों जरूरी है ब्लड सर्कुलेशन



रक्त मानव शरीर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। पूरे शरीर में न्यूट्रिएंट्स, इलेक्ट्रोलाइट्स, हार्मोन्स, हीट और ऑक्सीजन पहुंचाने का काम रक्त ही करता है। शरीर के विभिन्न हिस्सों को स्वस्थ्य रखने और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम भी ब्लड ही करता है। रक्त वाहिनियों की शाखाएं और घुमाव रक्त संचार को बाधित करते हैं और हृदय रोग की वजह बनते हैं।

लैदर स्कर्ट से मिलेगा फॉर्मल और कैजुअल लुक

दिन के वक्त ऑफिस और रात को उसी ड्रेस में पार्टी में जाना चाहती हैं तो लैदर स्कर्ट अच्छा ऑप्शन साबित होगा। शायद एक पल के लिए पार्टी में लैदर स्कर्ट पहनने के बारे में सोच कर थोड़ा असहज जरूर महसूस करेंगी, लेकिन ये एक ऐसा आउटफिट है जिसे कई तरह से स्टाइल किया जा सकता है। लैदर स्कर्ट्स जो कि अभी रैम्प और रेड कारपेट पर छाई हैं, पार्टी और कैजुअल लुक में अच्छी दिखेगी। जानिए लैदर स्कर्ट पहनने के कुछ तरीकों के बारे में, जिनसे लुक बदलना आसान होगा।

कैफीन युक्त नई दवा से पार्किंसन का उपचार



वैज्ञानिकों ने अलग तरह के कैफीन आधारित रासायनिक यौगिक का विकास किया है, जिससे पार्किंसन रोग को बढ़ने से रोका जा सकता है। इस बीमारी से अंगों में अनियंत्रित कंपन होने लगता है, शोधकर्ताओं ने ए-सिनुक्लिन -एएस- नामक प्रोटीन पर ध्यान दिया, जो डोपामाइन नियंत्रण में शामिल होता है। इसी कड़ी में 'स्केफोल्ड' नामक कैफीन की खोज हुई, जिसमें पार्किंसन से मुकाबले के गुण दिखे।

इन खाद्य पदार्थों से अपने शरीर को रखें गरम

ठण्ड का प्रकोप दिन प्रतिदिन दिन बढ़ता जा रहा हैं। हम अपने शरीर को बाहरी रूप से गरम करने के लिए ऊनी कपड़ों का सहारा ले लेते हैं। लेकिन यदि आप अपने शरीर को अंदर से गरम रखना चाहते हैं और ठण्ड की बीमारियों से बचना चाहते हैं तो इन खाद्य पदार्थों का उपयोग जरूर कीजिए।



हरी मिर्च: हरी मिर्च शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती हैं। इसे खाने से शरीर में गर्मी आजाती हैं। इसका तीखापन हमारे शरीर का तीखापन बढ़ाता हैं। इस तरह हमारा शरीर अंदर से गरम हो जाता हैं। इसी कारण इसका सेवन ठण्ड में किया जाता हैं। हालांकि अगर इसका सेवन गर्मियों में भी किया जाए तो यह आपको लू से बचाता है। इसलिए आप मिर्ची को हर मौसम में खा सकते हैं।



लहसुन: लहसुन का एक चिकित्सक फायदा यह हैं कि यह उच्च कोलेस्ट्रोल लेवल को कम करने में मदद करती हैं। चिकित्सक फायदे के अलावा लहसुन का एक और लाभ होता हैं, हमारे शरीर को अंदर से गरम बनाए रखना। सर्दी में यदि आपको खांसी या सर्दी हो जाए तो इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण बैक्टीरिया और वायरस को मार देते हैं।



हरी मेथी : मेथी का रोजाना उपयोग करने से ठण्ड में सर्दी से बचा जा सकता हैं। मेथी के साग में विटामिन के, आयरन, मैग्नीशियम, सोडियम, जिंक, कॉपर और फोलिक एसिड अधिक होता है, जो शरीर के लिए बेहद जरूरी हैं। मेथी को खाने से शरीर का खून बढ़ता हैं और शरीर गर्म बना रहता हैं।

सिट्रस फल और अमरूद : विटामिन सी वाले फल जैसे संतरा और नींबू शरीर को पोषण एवं फ्लेवीनॉइड प्रदान करते हैं। इन्हे खाने से शरीर की बीमारियों से लड़ना आसान हो जाता हैं। इसके अलावा अमरुद में भी काफी मात्रा में विटामिन होता हैं। यह दोनों प्रकार के फल खाने से शरीर गर्म रहता हैं तथा शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती हैं।

यह है कद बढ़ाने के लाभकारी उपाए

कम कद कई लोगो की समस्या है और हर कोई इस समस्या से बहुत परेशान है और कई उपाय भी कर चुके है लेकिन उन्हें कोई फायदा नहीं मिल पाया है इसलिए आज हम आपको कुछ खास उपाएं बताएगे जो कद बढ़ाने में आपकी बहुत मदद करेगा। आइए जानते है यह उपाए।

- संतुलित आहार जरूर लें क्योंकि इससे आपको उचित पोषण मिलेगा जो कद बढने के लिए बहुत लाभकारी है।
- कद बढ़ाने के लिए प्रतिदिन 2 काली मिर्च के टुकडे को 20 ग्राम मक्खन में मिलाकर खाएं।
- देशी गाय का दूध पिएं क्योंकि यह कद बढ़ाने में सहायक होता है।



- रात में अच्छी नींद लें और ठीक से भी सोना चाहिए क्योंकि इससे मांसपेशियां और शरीर फैलता है।
- अंगूठों को खींचना चाहिए इससे मांसपेशियों में खिंचाव आता है और रक्त का दौरा भी बढ़ता है।
- लंबाई ठीक से बढ़ाने के लिए वजन कम होना चाहिए। वजन ज्यादा होने से लम्बाई नहीं बढ़ पाती है।

आईबीडी यानी इन्फ्लेमेटरी बावल डिजीज। इसका मतलब है आंतों से जुड़ी तमाम किस्म की समस्याएं। वास्तव में पाचनतंत्र जो कि मुंह, भोजन नलिका, पेट, छोटी आंतें और आंतों से मिलकर बनता है। आईबीडी होने का मतलब है कि इन तमाम भागों में किसी न किसी तरह की समस्या। इसकी वजह खाद्य पदार्थ, अपौष्टिक आहार आदि हैं। यह कहने की जरूरत नहीं है कि आईबीडी काफी दर्दनाक होता है और कई दफा तो यह बीमारी जानलेवा तक साबित होती है। मतलब साफ है कि यदि किसी व्यक्ति विशेष को आईबीडी हो जाए तो उसे तुरंत अपना इलाज कराना चाहिए। यही नहीं सही उपचार और जीवनशैली में आवश्यक बदलाव भी करने चाहिए। सवाल उठता है कि आईबीडी के लक्षणों को कैसे जाना जाए? आइए इस सम्बंध में आगे पड़ते हैं।

आईबीडी के प्रकार

सामान्यतः आईबीडी के दो प्रकार हैं। अल्सरेटिव कोलाइटिस और क्रोन्स डिजीज। क्रोन्स डिजीज के तहत पाचनतंत्र के किसी भी हिस्से में जलन या तकलीफ हो सकती है। हालांकि यह ज्यादातर छोटी आंत के निचले हिस्से को सबसे ज्यादा प्रभावित करती है। जबकि अल्सरेटिव कोलाइटिस होने के दौरान बड़ी आंत में घाव होता है जिसके कारण बड़ी आंत में जलन हो सकती है।



आईबीडी की वजह

आईबीडी की सटीक वजह बता पाना मुश्किल है। विशेषज्ञों की मानें तो यह बीमारी आनुवांशिक हो सकती है या फिर इम्यून सिस्टम से जुड़ी कोई समस्या। आनुवांशिक होने का मतलब है कि यदि आपके पारिवारिक इतिहास में आईबीडी है तो इसके होने की आशंक में इजाफ हो जाता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक इसे आनुवांशिका बीमारी बताते हैं।



पेट दर्द की घातक समस्या है आईबीडी...

प्रतिरक्षी तंत्र से जुड़ी बीमारी



आईबीडी को प्रतिरक्षी तंत्र से जुड़ी बीमारी भी बताई जाती है। दरअसल प्रतिरक्षी तंत्र हमारे शरीर की तमाम किस्म की बीमारियों से बचाव करता है। ऐसे में यदि आईबीडी पाचनतंत्र में हो जाए तो इससे प्रतिरक्षी तंत्र का प्रभावित होना लाजिमी हो जाता है। जैसा कि हम जानते हैं कि किसी बीमारी या अन्य वायरस के शरीर में घुसने के दौरान प्रतिरक्षी तंत्र अति सजग और सचेत हो जाता है। ऐसे में यदि पाचनतंत्र कमजोर पड़ जाए तो इसमें घाव, जलन या सूजन जैसी परेशानियां घर करने लगती है। आईबीडी होने का कारण महज संक्रमण ही नहीं है। कई दफा प्रतिरक्षी तंत्र अपने ही सेल्स पर आक्रमण कर बैठती है। इसे आटोइम्यून रिस्पांस के नाम से जाना जाता है। आईबीडी कई बार संक्रमण के खत्म होने के बाद भी ठीक नहीं होती। मतलब यह कि यह एक घातक बीमारी है जिसके प्रति अलर्ट रहना अत्यंत जरूरी है। यह बीमारी कई दफा महीनों तक मरीज को परेशान करती है। तमाम अध्ययन इस बात की तस्दीक करते हैं कि लाखों लोग आईबीडी के मरीज हैं। इसके कुछ मुख्य रिस्क फैक्टर इस प्रकार हैं

धूम्रपान

क्रोन्स डिजीज की मुख्य वजहों में से एक धूम्रपान है। धूम्रपान इस हद तक परेशानी का सबब बनता है कि कई दफा यह आईबीडी के दर्द को बड़ा देता है। यही नहीं क्रोन्स डिजीज के ठीक होने की जटिलता भी बड़ जाती है। हालांकि अल्सरेटिव कोलाइटिस के मरीज इससे अलग होते हैं। सामान्यतः अल्सरेटिव कोलाइटिस उन्हें प्रभावित करता है जो धूम्रपान नहीं करते या फिर उन्हें जो धूम्रपान छोड़ चुके हैं।

आईबीडी से कौन प्रभावित होता है

सामान्यतः आईबीडी से कोई भी प्रभावित हो सकता है। इसे किसी उम्र विशेष में नहीं बांधा जा सकता है। बावजूद इसके विशेषज्ञ इस बात का दावा करते हैं कि आईबीडी 35 साल से कम उम्र के लोगों में ज्यादा देखने को मिलता है। इसके अलावा जैसा कि पहले ही जिक्र किया जा चुका है कि पारिवारिक इतिहास होने पर भी यह बीमारी होने का खतरा होता है। यही नहीं भौगोलिक क्षेत्र भी आईबीडी के लिए जिम्मेदार है। सामान्यतः यह बीमारी शहरी क्षेत्रों को तुलनात्मक रूप से ज्यादा प्रभावित करती है। इसकी वजह वहां की जीवनशैली और खानपान है। असल में जो लोग वसायुक्त आहार का ज्यादा सेवन करते हैं, उन्हें आईबीडी होने का खतरा बना रहता है।

आईबीडी के लक्षण

यूं तो इसके लक्षण व्यक्ति दर व्यक्ति निर्भर करता है। बावजूद इसके कुछ सामान्य लक्षण डायरिया होना, पेट खराब होना, पेट में दर्द होना, अल्सर से खून आना, वजन घटना, अनीमिया होना और बच्चों में विकास स्तर कम होना शामिल है। पाचनतंत्र के बाहरी लक्षण भी आईबीडी में देखने को मिलते हैं मसलन आंखें सूजना, जलन होना, त्वचा सम्बंधी समस्या होना, अर्थराइटिस होना आदि। आईबीडी का ट्रीटमेंट घर में नही किया जा सकता है। इसके लिए बेहतर है कि सीधे चिकित्सक से ही संपर्क करें। वे आपके पारिवार इतिहास से लेकर मौजूद स्थिति पर चर्चा कर मरीज का इलाज करते हैं। इतना ही नहीं जरूरी हो तो ब्लड सैंपल आदि भी लिया जाता है।

ऑयल थैरेपी

नाखून के विकास में सहायक ऑलिव ऑयल...



आपने ऑलिव ऑयल का नाम तो सुना होगा। अगर आप आपकी त्वचा को एवरग्रीन बनाना चाहती हैं तो ऑलिव ऑयल का उपयोग करना शुरू कर दीजिए। इसमें विटामिन इ,फैटी एसिड तथा मिनरल आदि होते हैं। इसके अलावा, इसमें फ्लेवसेनॉयड्स स्केवेलीन और पेरिफेनॉल्स एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो त्वचा को स्किन कैंसर और सोरायसिस से बचाते हैं।

इसमें पाए जाने वाले न्यूट्रीशन त्वचा को सेहतमंद बनाए रखते है। साथ ही कील-मुहांसों, दाग-धब्बों आदि को ठीक कर आपकी त्वचा को जवां बनाते हैं। साथ ही नाखूनों की ग्रोथ भी बढ़ाते हैं। झुर्रियों की समस्या से परेशान हैं, तो एक चम्मच नीबू के रस में एक चम्मच ऑलिव ऑयल मिलाएं। इस मिश्रण से हफ्ते में तीन बार चेहरे की मालिश करें। शरीर पर काले धब्बे हैं तो रोजाना नहाने के बाद पूरे शरीर पर ऑलिव ऑयल से मसाज करें।

ऑलिव ऑयल न केवल आपके त्वचा का रंग निखारता है, बल्कि खोयी चमक भी वापस लाता है। एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में अंडे की जरदी, आधा चम्मच संतरे का रस, एक चम्मच जैतून का तेल और कुछ बूंदे गुलाब जल मिला कर के चेहरे पर लगाएं। सूख जाने पर पानी से चेहरा धो लें। गहरे रंग की त्वचा और कोहनियों की समस्या हो, तो ऑलिव ऑयल में चीनी मिला कर रोज हल्के हाथों से पांच मिनट तक स्क्रब करें।

यदि नाखूनों का बढना रूक गया हो, तो ऑलिव ऑयल को गुनगुना करके नाखूनों को कुछ देर उसमें डुबोये रखें। फिर 10-15 मिनट तक उनकी हल्की मालिश करें। इससे नाखून नरम व लचीले हो जाएंगे। यदि आइब्रो या आईलैशेज हल्की हों, तो तेल की कुछ बूंदें लेकर उस जगह हल्की मालिश करें। नियमित रूप से ऐसा करने से वे घनी हो जायेंगी। बेजान व रूखे होठों पर ऑलिव ऑयल की मालिश करने से वे कोमल व मुलायम होते हैं। साथ ही, उनकी गुलाबी रंगत भी बरकरार रहती है।

दर्द में कोई भी गोली खाना पड़ सकता है महंगा

सामान्य तौर पर दर्द के लिए ली जानी दवाइयों से उम्रदराज वयस्कों के अंदर हार्ट अटैक की संभावनाएं बढ़ जाती है। एक नई स्टडी में यह खुलासा हुआ है कि सामान्य तौर पर दर्द के लिए ली जानी दवाइयों से उम्रदराज वयस्कों के अंदर हार्ट अटैक की संभावनाएं बढ़ जाती है। यह रिसर्च यूके, नीदरलैंड, इटली और जर्मनी के 77 वर्ष की औसत उम्र के 1 करोड़ लोगों पर की गई है। इन प्रतिभागियों की तुलना ऐसे लोगों के साथ की गई है जो किसी भी प्रकार की दवाई का सेवन नहीं कर रहे थे। विशेषज्ञों ने कहा कि निष्कर्ष के तहत 65 वर्ष के लिए थोड़ा प्रासंगिकता है लेकिन बुजुर्ग मरीजों के लिए एक चिंता का विषय हो सकता है। शोधकर्ताओं ने आइबूप्रोफेन, नेपरोक्सन और डिक्लोफेनाक में नॉन-स्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स पाया है। जिससे 19% दिल की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। हृदय रोग के सलाहकार का कहना है कि उम्रदराज वयस्कों में ऐसी दवाइयों के सेवन से उच्च रक्तचाप, मधुमेह, गुर्दे की समस्याओं में कुछ इजाफा हो सकता है।

सिर्फ नमक का ज्यादा सेवन ही इस बीमारी के लिए जिम्मेदार नहीं

पोटैशियम के कम सेवन से भी हाई ब्लडप्रेशर

उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक ही जिम्मेदार नहीं, बल्कि कम मात्रा में पोटैशियम का सेवन भी आपको इसका मरीज बना सकता है। एक नए शोध में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि आहार में अधिक पोटैशियम ग्रहण करने वाली किशोरियों में बाद में रक्त चाप कम पाया गया।

सोडियम की मात्रा कम करने पर बल देना जरूरी नहीं



बोस्टन विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन के लीन मूरे ने कहा कि इसके विपरीत, रक्तचाप पर अकेले सोडियम का कोई प्रभाव नहीं दिखाई पड़ा, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर बच्चों तथा किशोरों के आहार में सोडियम की मात्रा कम करने की जरूरत पर बल देने की जरूरत नहीं।

...तो नहीं पड़ता प्रतिकूल प्रभाव

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जो किशोरियां प्रतिदिन तीन हजार मिलीग्राम नमक का सेवन करती हैं, उनके रक्तचाप पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, जबकि जो किशोरियां प्रतिदिन 2,400 मिलीग्राम या उससे अधिक पोटैशियम का सेवन करती हैं, तो बाद में उनका रक्त चाप कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लोगों को दो हजार मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करने की सलाह देता है। शोधकर्ताओं ने किशोरावस्था के अंत में आहार में सोडियम व पोटैशियम का रक्तचाप पर दीर्घावधि तक प्रभाव का अध्ययन किया।

रेसिपी



हेल्दी मूंग चाट

सामग्री

1 कप अंकुरित मूंग, 1 टी-स्पून तेल, 1/4 टी-स्पून सरसों, 1/4 टी-स्पून ज़ीरा, कुछ कड़ी पत्ते, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1 टी-स्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, एक चुटकी हल्दी पाउडर, 1/2 टी-स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर, 1/4 कप कटे हुए टमाटर, नमक स्वादअनुसार, परोसने के लिए, 4 टेबल-स्पून ताज़ा फेंटा हुआ दही,नमक स्वादअनुसार, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ प्याज़, 2 टेबल-स्पून कटे हुए टमाटर,2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया,2 चुटकी लाल मिर्च पाउडर

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और सरसों और ज़ीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, कड़ी पत्ता और प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक भून लें। अदरक-लहसुन का पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया-ज़ीरा पाउडर, टमाटर, अंकुरित मूंग, 1/4 कप पानी और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 4 दर 5 मिनट या मूंग के आधे पकने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। आंच से हटाकर हल्का ठंडा कर लें। अंकुरित मूंग के मिश्रण को 2 भाग में बांट लें। अंकुरित मूंग के मिश्रण के एक भाग को एक बाउल में रखें, 2 टेबल-स्पून ताज़ा दही डालकर थोड़ा नमक छिड़के और उपर 1 टेबल-स्पून प्याज़, 1 टेबल-स्पून टमाटर, 1 टेबल-स्पून हरा धनिया और चुटकी भर लाल मिर्च पाउडर छिड़के। विधी क्रमांक 5 को दोहराकर 1 और मात्रा बना लें। तुरंत परोसें।

ऑफिस के लिए आउटफिट सिलेक्शन

ऑफिस में अपना पर्सनल स्टाइल बनाए रखना बेहद जरूरी है। अपना एक अलग स्टाइल आपको ऑफिस में अलग पहचान दिलाता है। ऑफिस के लिए ड्रेसेज पूरी प्लानिंग से तैयार करें और इसमें वैरायटी रखें। इस बात का ध्यान रखें कि आपको स्टाइलिश के साथ ही प्रोफेशनल भी लगना है। तो आइए आज हम आपको बतातें हैं कि ऑफिस में आप किस तरह का आउटफिट इस्तेमाल करें।

अपनी पर्सनैलिटी को ध्यान में रखें

ऑफिस के लिए ड्रेस चुनते समय अपनी पर्सनैलिटी को ध्यान में अवश्य रखें। भारतीय महिलाओं का आज भी बेस्ट आउटफिट सलवार-कमीज ही है। इसमें वे बहुत सुंदर लगती हैं, लेकिन काम पर जाने के लिए पहनने से पहले आपको अपने स्किन कलर, हाइट और वेट को ध्यान में रखना जरूरी है। इस पर भी ध्यान दें कि आपको ऑफिस में आकर्षण का केंद्र नहीं बनना, बल्कि प्रोफेशनल लगना है। इसलिए ऑफिस में न तो हैवी और ब्राइट एम्ब्रायडरी वाले सूट पहनें और न ही ज्यादा फ्लेयर वाले सूट पहन कर जाएं। कुर्ते की लैंथ ज्यादा शॉर्ट रखने से भी बचें। स्कर्ट में आप स्टाइलिश और ग्लैमरस लग सकती हैं, यदि वह ढंग से कैरी की गई हो। यदि आपके ऑफिस में इस तरह के परिधान पहनने की अनुमति है, तो आप कलमकारी स्कर्ट पहन सकती हैं।



हमेशा ट्रेंड में रहती है साड़ी

इस बात का ध्यान रखें कि आप की स्कर्ट एंकल लैंथ की हो तथा इसे कन्ट्रास्ट में ट्यूनिक या शर्ट के साथ पहनें, जो आपके प्रोफेशनल लुक में वृद्धि करेगी। आप भले ही किसी भी ऑफिस में काम क्यों न करती हों, जींस पहनने पर कहीं भी प्रतिबंध नहीं है। इसके लिए इस बात का ध्यान रखें कि ऑफिस में टाइट टी-शर्ट की अपेक्षा कुर्ती या शर्ट के साथ इसे कैरी करें, जो आपको प्रोफेशनल इमेज प्रदान करेगी। फैशन कितना ही क्यों न बदले, लेकिन भारतीय साड़ी हमेशा ट्रेंड में रहती है। यदि आप इसे एक अच्छे ब्लाउज के साथ ढंग से ड्रेप करें, तो यह आपको बेमिसाल लुक देती है। आपकी ड्रेस आपका काम के प्रति व्यवहार दिखाती है, इसलिए यह ध्यान रखें कि साड़ी के साथ का ब्लाउज कैसा है।

रेसिपी



इन्डियन कॉर्न डिप

सामग्री

1 कप उबले हुए और दरदरे क्रश किये हुए मीठी मकई के दानें

1/2 कप दूध, 1 टी-स्पून कोर्नफ्लॉर, 1 1/2 टी-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक स्वादअनुसार

सजाने के लिए

1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, परोसने के लिए,खाखरे, नाचो चिप्स

विधि

दूध और कोर्नफ्लॉर को एक एक छोटे बाउल में अच्छी तरह मिलाकर कोर्नफ्लॉर को पुरी तरह घोल लें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, सरसों और ज़ीरा डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। जब बीज चटकने लगे, मीठी मकई, हरी मिर्च, कोर्नफ्लॉर-दूध का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए या मिश्रण के गाढ़ा होने तक पका लें। धनिया से सजाकर खाखरे और नाचो चिप्स् के साथ तुरंत परोसें।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**